



संक्षिप्तवार्ता

नारियल रेशा निर्यात में भारत का दबदबा

नई दिल्ली। भारत से नारियल रेशा और इससे निर्मित उत्पादों के निर्यात में अभूतपूर्व उछाल आया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014-15 में नारियल रेशा का निर्यात 1,630 करोड़ रुपये था, जो बीते वित्त वर्ष में 305 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी के साथ 6,14 करोड़ रुपये से अधिक के स्तर पर पहुंच गया है।

इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए चलाए गए अभियानों के तहत उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर नारियल रेशा क्षेत्र की 21,000 से अधिक इकाइयां पंजीकृत की हैं। इन इकाइयों के माध्यम से देश में करीब 2.30 लाख लोगों को रोजगार मिला है। एमएसएमई मंत्रालय ने बताया कि कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत 68,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कॉकरोच पार्टी 16 को दिल्ली में प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को प्रदर्शन का ऐलान किया। दीपके ने बुधवार को वीडियो में सेना की कर कहा कि, सभी लोग 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस पहुंचें। ये लोग मुझे भी जेल में डाल सकते हैं लेकिन मुझे परवाह नहीं। दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय भीड़ उन पर हिलाने लगी। एक पैसेंजर ने कहा- क्यों देश को खराब कर रहा भाई। इस पर दीपके ने बस थप्पस अप का इशारा किया और चुपचाप चले गए। उधर सीजेपी प्रवक्ता आशुजीव रांका और सोरव दास को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है।

मोदी सरकार में 5 महीने में 3 मंत्रियों का इस्तीफा, 2 को टिकट नहीं कैबिनेट विस्तार की अटकलें तेज



नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट में बदलाव और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। पिछले पांच महीनों में तीन केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे और दो अन्य मंत्रियों को राज्यसभा चुनाव में दोबारा टिकट न मिलने के बाद अब माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही मंत्रिपरिषद में फेरबदल कर सकते हैं।

इस घटनाक्रम ने केंद्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है और सबकी निगाहें संभावित विस्तार की तारीख पर टिकी हैं। ताजा घटनाक्रम में, केंद्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद और

राज्यसभा दोनों से इस्तीफा दे दिया है। मुरुगन ने मंगलवार को यह कदम उठाया और प्रधानमंत्री को लिखे पांच पन्नों के पत्र में तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य गांवों, गलियों और हर जगह जाकर पार्टी को मजबूत करना और 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए जमीन तैयार करना है।

मुरुगन ने अपने इस्तीफे वाले पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत माता और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। विनम्रता और कृतज्ञता के साथ, उन्होंने अनुरोध किया कि उन्हें राज्य मंत्री की जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की भी अनुमति

दी जाए ताकि वह अपना पूरा समय तमिलनाडु में पार्टी को मजबूत करने में समर्पित कर सकें। मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और सितंबर 2021 से इस पद पर थे। वे अप्रैल 2024 में दोबारा चुने गए थे और उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था, लेकिन अब उन्होंने इसे छोड़ने का निर्णय लिया है। यह पिछले पांच महीनों में केंद्रीय मंत्रिपरिषद से तीसरा इस्तीफा है। इससे पहले जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिंदू भी जुलाई में केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे चुके हैं।

...और ये सिर्फ अटकलें ही हैं

इस्तीफों के अलावा, हाल ही में संपन्न राज्यसभा चुनावों में दो केंद्रीय मंत्रियों, हरदीप सिंह पुरी (केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री) और बी.एल. वर्मा (उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री) को भाजपा ने दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया था। हालांकि, ये दोनों मंत्री फिलहाल अपने-अपने पदों पर बने हुए हैं, लेकिन उनके भी भविष्य को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं। इन सभी घटनाक्रमों के चलते केंद्रीय मंत्रिपरिषद में कई पद रिक्त हो गए हैं, जिससे विस्तार की आवश्यकता और बढ़ गई है। कई मंत्री पर पहले से ही खाली हैं, और कुछ राज्यसभा सदस्यों को दोबारा कार्यकाल नहीं मिलने से भी मंत्रिपरिषद में और पद रिक्त हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इसी महीने केंद्रीय मंत्रिपरिषद का विस्तार और फेरबदल हो सकता है, जिसमें पांच नए चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और ये सिर्फ अटकलें ही हैं।

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस, दिव्यांग पेंशन के नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रेलवे कर्मचारियों, दिव्यांगजनों और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे के करीब 11.40 लाख कर्मचारियों को 78 दिन का उत्पादकता आधारित बोनस (प्रफॉर्मैस लिंकड बोनस) दिया जाएगा। इसके लिए लगभग 2,009 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, दिव्यांगता पेंशन के लिए पात्रता संबंधी नियमों में बदलाव और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के फैसले भी लिए गए हैं। सरकार ने आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक पुनर्गठन का निर्णय भी किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

इस निर्णय से लगभग 11.40 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार करीब 2,009 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वैष्णव ने कहा कि रेलवे कर्मचारी सालभर रेल परिवहन, परियों के रखरखाव, कार्यशालाओं और अन्य जरूरी सेवाओं में योगदान देते हैं। त्योहारों के दौरान भी बड़ी संख्या में कर्मचारी अपने परिवारों से दूर रहकर यात्रियों की सुविधा और रेल सेवाओं के सुचारु संचालन के लिए काम करते हैं। बोनस को उनके योगदान के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

कितनी भी सड़कें बना ली जाएं, जाम नहीं मिलेगा छुटकारा

नई दिल्ली। भारत में शहरी नियोजन और परिवहन प्रणाली पर नेशनल हाउसहोल्ड ट्रेवल सर्वे (एनएचटीएस) की रिपोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। लगभग बीस लाख लोगों पर किए गए इस सर्वे के अनुसार, देश में 46 प्रतिशत लोग अपने निजी वाहनों झू 43 प्रतिशत स्कूटर या बाइक और 3 प्रतिशत कारों झू से काम पर जाते हैं। वही, बस, ट्रेन या मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वालों का प्रतिशत सिर्फ 9 प्रतिशत है। जुलाई 2025 से जून 2026 तक किए गए इस सर्वे का यह आंकड़ा इस बात की ओर इशारा करता है कि भारत एक ऐसे रास्ते पर है जहाँ दुनिया के कई शहरों ने पहले ही गंभीर



परिणाम भूगर्त है: निजी वाहनों पर अत्यधिक निर्भरता। दिल्ली के बारापुला फ्लाईओवर



का हालिया अनुभव इसका एक जीता-

जागत उदाहरण है। 12 साल के लंबे इंतजार के बाद इसका तीसरा चरण खुला, यह उम्मीद थी कि 40 मिनट का सफ़र 20 मिनट में पूरा होगा, लेकिन अब वहाँ एक घंटे से ज्यादा का जाम लगता है। यह दिखाता है कि कितनी भी सड़कें बना ली जाएं, बढ़ती गाड़ियों के सामने वे कम पड़ जाती हैं। इस समस्या का एक प्रेरणादायक समाधान दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल ने 20 साल पहले प्रस्तुत किया था।

1980 और 1990 के दशक में सियोल भी इसी समस्या से जूझ रहा था। 1986 में 5 लाख गाड़ियों से बढ़कर 1995 तक 20 लाख गाड़ियों सड़कों पर आ गई थीं, जिनमें 72 प्रतिशत निजी वाहन थे। प्रदूषण और

जाम चरम पर था। लोगों की मांग थी कि और सड़कें और पुल बनाए जाएँ। सियोल ने एक 6-लेन एक्सप्रेसवे भी शहर के बीच से बहने वाली नदी के ऊपर बना दिया था, लेकिन वह भी भर गया। तब सरकार ने एक क्रांतिकारी फैसला लिया। सियोल ने सड़कों का विस्तार करने के बजाय सार्वजनिक परिवहन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सड़कों में बसों के लिए अलग कोरिडोर बनाए, बसों, मेट्रो और मिनी बसों में भारी निवेश किया जो हर मोहल्ले तक पहुँचती थी। सबसे चौकाने वाला कदम यह था कि उन्होंने बने हुए फ्लाईओवर और यहाँ तक कि नदी के ऊपर बने 6-लेन एक्सप्रेसवे को भी तोड़ दिया।

एसआईआर को लेकर ओवैसी ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

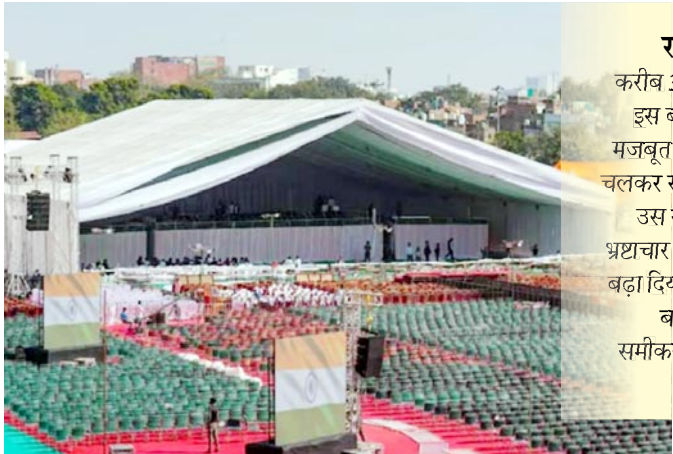
नई दिल्ली। एसआईआर को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। एसआईएमआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तरीके को चुनौती दी है। ओवैसी की अलावा वकील प्रशांत भूषण ने दिल्ली एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फॉर्म-6 में घोषणा पत्र भरवाया जा रहा है कि आपने कभी वोट नहीं दिया है, जो वोटर कहीं से शिफ्ट होकर आया है, उसे फॉर्म-8 भरने का मौका मिलना चाहिए। लिस्ट में सुधार की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर ही सुनवाई की तारीख रखी है। इस याचिका को पहले सुना जाए।

दो सरकारों की नींव हिलाने का साक्षी है रामलीला मैदान

नई दिल्ली। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों की राजनीति में एक बार फिर रामलीला मैदान का नाम प्रमुखता से उभरा है। जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के बाद दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली के रामलीला मैदान को तीन वैकल्पिक जगहों में से एक के रूप में तय किया है।

यह फैसला मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच आया है। हालांकि जंतर-मंतर लंबे

समय से प्रदर्शनों का केंद्र रहा है, रामलीला मैदान का इतिहास भी आंदोलनों और बड़े राजनीतिक बदलावों का साक्षी रहा है। दशकों के अंतराल में इस मैदान पर दो ऐसे बड़े जन आंदोलन हुए, जिन्होंने तत्कालीन कांग्रेस की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। इनमें पहला आंदोलन 1975 में समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नेतृत्व में उठा था। 25 जून 1975 को जेपी ने इसी मैदान से एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ प्रतियोग का आह्वान किया था। इसी रात देश में आपातकाल लगा दिया गया, जिसमें नागरिक स्वतंत्रताएं निलंबित हुईं और विपक्ष पर



कार्रवाई हुई। आपातकाल के बाद 1977 में हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को केंद्र में

रामलीला मैदान एक बार फिर बड़े जन आन्दोलन का केन्द्र बना

करीब 36 साल बाद 2011 में रामलीला मैदान एक बार फिर बड़े जन आंदोलन का केंद्र बना। इस बार मुद्दा भ्रष्टाचार था और नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे कर रहे थे। अन्ना ने मजबूत लोकपाल कानून की मांग को लेकर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया, जो जंतर-मंतर से चलकर रामलीला मैदान पहुंचा। यहाँ अन्ना हजारे की भूख हड़ताल ने पूरे देश का ध्यान खींचा। उस समय कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के कई आरोपों से घिरी थी, और अन्ना आंदोलन ने सरकार पर राजनीतिक दबाव और बढ़ा दिया। इस आंदोलन ने आम आदमी पार्टी के उभार के लिए भी माहौल तैयार किया, जिसने बाद में दिल्ली में कांग्रेस और भाजपा दोनों को चुनौती दी और राजधानी की राजनीति का समीकरण बदल दिया। अन्ना आंदोलन के बाद कांग्रेस अपने सबसे निचले स्तर पर चली गई, और 2014 से लगातार तीन बार भाजपा केंद्र की सत्ता पर काबिज है।

पहली बार हार का सामना करना पड़ा और मैदान में हुई यह रैली भारतीय राजनीति के जनता पार्टी सत्ता में आई। इस तरह रामलीला एक बड़े ऐतिहासिक घटनाक्रम से जुड़ गई।

तमिलनाडु में दवाओं पर नहीं लिखी जाएगी हिंदी

चेन्नई। तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में दवा के कवर पर हिंदी में निर्देश लिखे होने के कारण एक नया भाषा विवाद शुरू हो गया है। यह मामला करूर और कोयंबटूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों से जुड़ा है, जहाँ मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी निर्देश छपे थे। विवाद बढ़ने के बाद अस्पताल प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से ऐसे कवर का इस्तेमाल रोक दिया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज ने इस फैसले की पुष्टि की। इस घटना ने राज्य की दो भाषा नीति और सरकारी संस्थानों में हिंदी के इस्तेमाल को लेकर फिर से



बहस छेड़ दी है, जहाँ हिंदी की अनिवार्य रूप से लागू करने का हमेशा से कड़ा विरोध होता रहा है। यह मामला तब चर्चा में आया

जब डीएमके नेता टीआरवी राजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दवा के कवर की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या

तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में भी तीन भाषा नीति लागू की जा रही है? उनके मुताबिक, करूर के बाद

...तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिये गये

स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज के अनुसार, करूर के सरकारी अस्पताल में सामान्य तौर पर मदुरै की केंद्रीय जेल से तैयार किए गए सादे कवर मंगाए जाते हैं, जिन पर अस्पताल के कर्मचारी दवा लेने के समय से जुड़े निर्देश तमिल में मुद्रित लगाकर लिखते हैं। हालांकि, दिसंबर 2025 में नियमित कवर की कमी होने के कारण ईरोड जिला प्रिंटिंग इंडस्ट्रियल को ऑपरेटिव सोसाइटी को चार लाख कवर तैयार करने का ऑर्डर दिया गया था। ये कवर जनवरी 2026 में इस्तेमाल होने लगे। मंत्री ने बताया कि कोयंबटूर में भी संबंधित कवर का डिजाइन पिछली सरकार के कार्यकाल में मंजूर किया गया था। करूर अस्पताल के डीन एम. भारत मोहन ने स्पष्ट किया कि प्रिंटिंग संस्था को निर्देशों को किसी खास भाषा में छापने के लिए नहीं कहा गया था। हालांकि, कवर पर तीन भाषाओं में निर्देश छपे होने की जानकारी सामने आने के बाद उनके इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि करूर में अब केवल तमिल में निर्देश लिखे कवर इस्तेमाल किए जाएंगे, जबकि कोयंबटूर में तमिल और अंग्रेजी में निर्देश वाले कवर इस्तेमाल करने पर काम किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि मौजूदा सरकार ने पुराने डिजाइन और भाषा में कोई बदलाव नहीं किया था, और उन्होंने कवर की खरीद व डिजाइन को पिछली सरकार के कार्यकाल से जोड़ते हुए डीएमके पर सवाल उठाए।

यूपी में तीन महीने के भीतर पंचायत चुनाव कराने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में तीन महीने के भीतर पंचायत चुनाव कराने का आदेश दिया है। अदालत ने निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज करते हुए संबंधित शासनादेश को वैध ठहराया। कोर्ट के फैसले के अनुसार, मौजूदा ग्राम प्रधान पंचायत चुनाव होने तक प्रशासक के रूप में काम करते रहेंगे। इस आदेश के बाद प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर हलचल तेज होने की संभावना है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने बुधवार को करीब तीन घंटे की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह तीन महीने के भीतर पंचायत निकायों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराए। इसके साथ ही प्रशासकों की नियुक्ति को लेकर उठाई गई कानूनी आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया। ओबीसी आयोग का काम जारी रहेगा हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग अपना काम जारी रखेगा और उसके कामकाज में कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि, पंचायत चुनाव कराने की प्रक्रिया आयोग के काम पूरा होने पर निर्भर नहीं करेगी। चुनाव मौजूदा नियमों और व्यवस्था के तहत ही कराए जाएंगे।

संपादकीय

आनंद की फिटनेस

युवाओं ने इस दौरान खुशी का इजहार करके हुए योग, कसरत, नृत्य तथा मानसिक शांति के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत खुद को

क्षमता और खुद को पाने की अभिलाषा के प्रति अभिप्रेत किया। ऐसे प्रयोग भले ही छोटे और अप्रचारित रह जाएं, लेकिन युवाओं में आनंद के सरोकार अगर कार्यक्रमों में पैदा हों, तो परिणामों की मंजिल पर हर घर मुस्कराएगा। आज जबकि हिमाचल चिट्ठे व विभिन्न नशों की गिरफ्त में अपनी आने वाली पीढ़ी को बचाने में लगा है, एसडीएम महोदय ने युवा मनोरंजन का सफर बदल दिया। इसी तरह के प्रयास अगर हर शिक्षण संस्थान में लगातार किए जाएं, तो आनंद की वैलत शिक्षा के साथ-साथ मिलेगी। यह

इसलिए भी क्योंकि जब फिटनेस का महोत्सव कांगड़ा में चल रहा था, तो कहीं इससे भिन्न तस्वीर में चिट्ठा बिक्री के सबूत युवाओं के प्रमित चरित्र की गवाही दे रहे थे। जिला के भवानी में अवैध शराब का माफिया अगर धर दबोचा गया, तो सामाजिक तहों में बबादी के लक्षण मिले। राज्य कर एवं आवश्यकरी विभाग के संयुक्त अभियान के तहत भवारना में 150 पेटियां अवैध शराब बरामद की गई, जबकि इसके हाशिए के भीतर एक बॉटलिंग प्लांट के तहत चंडीगढ़ और पंजाब मार्के का शराब अवैध ढंग से तैयार हो रहा था।

ऐसा शायद ही कोई अवसर होगा जब घातक नशे की बिक्री के निशान न मिलते होंगे, वरना समाज के खेमचमे में पतन की परछाइयां लंबी हो रही हैं। कांगड़ा महोत्सव में अगर कुछ बच्चे भी जिंदगी का अनुशासन सीख गए होंगे, तो यह आयोजन बेशकीमती व अनुकरणीय है। यूं तो हिमाचल में सांस्कृतिक महोत्सवों की कमी नहीं, लेकिन संगीत के नाम पर परोसी जा रही फूहड़ता का शायद ही कोई औचित्य बचता है। युवा पीढ़ी में अनुशासन के बीज या तो शिक्षण संस्थाओं में बोए जा सकते हैं या उनकी आशाओं और आकांक्षाओं में आत्मविश्वास भरने की जरूरत है। हिमाचल में पहले ग्रामीण खेलों का वातावरण कमोबेश पंचायत स्तर पर सुनिश्चित होता था। कम से कम वॉलीबाल ग्राउंड तो हर गांव की खेल तहजीब को पुख्ता करता था। इसके अलावा ग्रामीण मेलों के आयोजनों में छिंज के माध्यम से पहलवानी का गैर-पेशेवर अंजंग भी युवाओं की पैरवी करता था। विडंबना यह है कि शिक्षा ने खुद को दुकान और युवा पीढ़ी की महत्त्वाकांक्षा को बिक्री का सामान बना दिया। स्कूल से किसी अकादमी की सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते बच्चे अक्सर मोटे दावों के बीच खोखले हो जाते हैं। जहािर तौर पर पाठ्यक्रमों की जद में युवावस्था का समय चकनाचूर हो रहा है। खास तौर पर निजी स्कूलों में पढ़ाई के माहौल को बेचने के सिलसिले ने जिस तरह बच्चों से सकून छीन लिया है, वहां धुब्ब भावनाएं गलत रास्तों में खुद को चुन लेती हैं। कम से कम स्कूली स्तर पर बच्चों के मन से शिक्षा का अप्राकृतिक बोझ हटाने के लिए उनके मानसिक व शारीरिक विकास को राहत व आनंद के पैगाम देने होंगे।

हिमाचल प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का 17वां राज्य है और इसकी भौगोलिक परिस्थितियां इसे देश के अन्य राज्यों से अलग पहचान देती हैं। यहां की 90 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण परिवेश में निवास करती है। हिमाचल को समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराएं, खानपान, वैशभूषा, कृषि,बागवानी, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर गांवों में ही दिखाई देती है। इसलिए यदि हिमाचल के समग्र विकास की बात आएगी तो उसकी राह गांवों से होकर ही गुजरे यह ध्यान देना आवश्यक है।

आलेख

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बच्चों बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली–एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागवी और न्यायमूर्ति वी. महंता भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने

डिजिटल मायाजाल और क्रिएटर भ्रम

सोशल मीडिया मंचों से धनार्जन का झूठ देश-दुनिया के पूरे समाज में इस प्रकार फैला कि दुनिया के 8 अरब 30 करोड़ लोगों में से 5 अरब 9 करोड़ लोग अपने-अपने वीडियो बनाकर ऐसे मंचों पर प्रसारित कर रहे हैं। ऐसा करने की प्रक्रिया में मोबाइल फोन उपकरण बनाने वाली कंपनियां, मोबाइल फोन में लगने वाले छोटे–बड़े कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियां, फोन तथा कलपुर्जों का कच्चा माल उत्खनित, उत्पादित करने वाली कंपनियां, इंटरनेट संचार प्रणाली स्थापित-प्रसारित करने वाली कंपनियां, इन कंपनियों का विज्ञापन करने वाले सेलेब्रिटीज यानी नामी–गिरामी व्यक्ति और अंततः ऐसी कंपनियों को धंधा करने की अनुमति देने वाली विभिन्न देशों की सरकारें तथा उनके बड़े पदों पर बैठे पदाधिकारी तो खूब धनार्जन कर रहे हैं, सुख–सुविधाओं में जीवन व्यतीत कर रहे हैं और दुनिया में उपलब्ध हर प्रकार का ऐश–ओ–आराम भोग रहे हैं, पर लगभग 5 अरब 9 करोड़ लोगों को झांसे, भ्रम और उम्मीद से बांधकर उन्हें वास्तविक जिंदगी में दुःख–दुविधाओं में ही धकेल रहे हैं। ऐसे लोगों में से 5 अरब १ करोड़ या 3 करोड़ लोगों के पास स्मार्ट फोन हैं। यानी वीडियो बनाने व अपलोड करने में सक्षम फोन। कुल मोबाइल कनेक्शन/सब्सक्रिप्शन की संख्या 9 अरब से अधिक है, क्योंकि कई व्यक्तियों या व्यावसायिक संस्थानों के पास एक से अधिक सिम/मोबाइल कनेक्शन होते हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर अपने–अपने वीडियो बनाकर डालने तथा फिर उनके वायरल होने की उम्मीद में इतने लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन या कंप्यूटर की स्क्रीन पर आंखें टिकाए हुए व्यतीत हो रहा है। परिवार, समाज, गली, मोहल्ले में लोगों के बीच परस्पर संवाद, बातचीत, मेल–मिलाप और रामा–रूमी सब खत्म हो चुका है। लोगों को डिजिटल नशा देकर बुरी तरह भ्रमित कर दिया गया है। उन्हें अपनी प्राकृतिक पहचान भी नहीं रही।

उन्हें ये तक याद नहीं है कि उन्हें एक दिन इस दुनिया से चले जाना है। कोरोना ग्रस्त 2019 से लेकर 2022 तक इस दुष्प्रवृत्ति ने ऐसे पांव पसारें कि अब यह दुनिया के हर उस व्यक्ति के सिर पर एक बिक्रिप्साहीन रोग बनकर बैठ चुकी है, जिसके पास स्मार्ट फोन और फोन पर इंटरनेट है। विश्व के देशों की सरकारों ने अपने–अपने नागरिकों को मोबाइल फोन रखने एवं उस पर इंटरनेट की सेवा लेने के लिए विवश कर दिया है। जो व्यक्ति मास्टर फोन और फोन द्वारा चलने वाली इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने का इच्छुक नहीं है या जो मास्टर फोन व इंटरनेट के आगमन से पहले की नागरिक सेवाओं और सुविधाओं का उपयोग करना चाहता है, उसके लिए अब क्या विकल्प बचा है? संभवतः कुछ भी नहीं। क्या वास्तव में डिजिटल दुनिया साधारण नागरिकों एवं मनुष्यों के भले के लिए आरंभ की गई है? क्या ऐसी दुनिया का विस्तार वास्तविक रूप में सामान्य जनों के लिए हो रहा है? डिजिटल व्यवसाय के आरंभ से लेकर अंत और निम्न

माता-पिता के रहते भी अनाथ होते बच्चे

हाल में एक वीडियो देखा, जिसमें एक महिला मांग में सिंदूर भरे, काजल, बिंदी और नेल पालिश लगाए, सिर ढके हुए है। साथ में उसका दुरूप भित्र खड़ा है। एक यूट्यूबर उससे सवाल करता है–तो आप अपने पति को छोड़ आई हैं? महिला कहती है–हां। यूट्यूबर फिर पूछता है–कारण क्या था? महिला कहती है–पति से प्यार नहीं करती थी। जिससे प्यार करती थी, उसके साथ आ गई। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है। रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां, रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह साल का लड़का चालीस साल की महिला से मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

वीडियो में मुस्लिम महिला सिंदूर लगाए दिखाई

देती है। लड़के की मां उससे भला-बुरा कह रही है।

रिपोर्टर लड़के से कहता है–आपकी मां बहुत

नाराज हो रही है।

क्या इन्हें साथ रखेंगे? लड़का कहता है–हां,

रखेंगे। एक अन्य वीडियो में देखा कि एक सत्रह

साल का लड़का चालीस साल की महिला से

मंदिर में शादी कर लेता है। उसे पर लाता है तो पर

वाले महिला को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं

होते हैं। मां कहती है कि यह उस में मुझसे कुछ ही

छोटी है, मैं इसे अपनी बहू कैसे मान लूं? इस

महिला के कई बच्चे भी हैं। इस पर महिला कहती है

कि उनकी देखभाल पति करेगा। इन सभी

महिलाओं की कहानियों में मोबाइल की प्रमुख

भूमिका है। वे बताती हैं कि मिस्र काल आया था।

बातचीत होने लगी, फिर प्यार हो गया।

इनसे अलहदा ऐसी कहानियां भी प्रकाश में

आ गईं। रिपोर्टर पूछता है–सुना है, आपके कई

बच्चे हैं। महिला कहती है–हां, हैं। रिपोर्टर पूछता

है–तो उनका क्या होगा? महिला कहती है–जो

हो, सो हो। जिसके बच्चे हैं, वह पाले। एक दूसरे

संक्षिप्तवार्ता

अपने ही देश में तिरंगा झंडा फहराना हो गया अपराध : केजरीवाल

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी को लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने केन्द्र सरकार से पूछा है कि क्या जंतर-मंतर पर तिरंगा झंडा फहराना अपराध है। उन्होंने इसकी तुलना 1975 के आपातकाल से करते हुए सीजेपी नेताओं को जेल भेजने को गलत बताया है। उधर आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने केन्द्र सरकार से पूछा है कि भारत माता की जय बोलना व राज्यसभा को गिरफ्तार करके केन्द्र सरकार ने एक बार फिर बहुत बड़ी गलती की है और यह बात उन्हे बहुत जल्द समझ में आ जाएगी।

उन्होंने कहा कि आशुतोष रांका और सौरभ दास को जेल में डालकर केन्द्र सरकार सोचती है कि वे अपनी तानाशाही से देश के नौजवानों की आवाज दबा देंगे। लेकिन आशुतोष रांका और सौरभ दास को गिरफ्तार करके केन्द्र सरकार ने एक बार फिर बहुत बड़ी गलती की है और यह बात उन्हे बहुत जल्द समझ में आ जाएगी।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जनकपुरी विधानसभा के एक सरकारी बालिका विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9 की 432 छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। उन्होंने कहा कि बीते 31 जुलाई को शुरू की गई विद्या वाहिनी योजना के अंतर्गत अब तक दिल्लीभर में लगभग 26,000 साइकिलें वितरित की जा चुकी हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में विकसित की गई आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इसमें स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और भाषा प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में अटूट आत्मविश्वास विकसित करना है, ताकि वे केवल रिपोर्ट कार्ड के अंकों तक सीमित न रहें, बल्कि उनमें विषयों की समझ, व्यावहारिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीखने की क्षमता भी विकसित हो। प्रत्येक बच्चे को सरकारी स्कूलों में विश्वस्तरीय डिजिटल शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हों।

पेंशन या सेवानिवृत्ति लाभों को दुर्घटना के मुआवजे से काटा नहीं जा सकता: कोर्ट

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राजधानी की सड़कों पर घातघात निर्यातित कर रहे एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी की जिंदगी को तेज रफ्तार और लापरवाही ने हमेशा के लिए अधकार में धकेल दिया। साकेत स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसटीडी) की पीठासीन अधिकारी अदिति गर्ग ने एक फैसले में दुर्घटना का शिकार होकर सौ फीसदी दिव्यांग हुए सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल राज सिंह को 1.11 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

राहुल गांधी कानून के विरुद्ध कृत्य को तिरंगे की लड़ाई बताकर कर रहे गुमराह : भाजपा

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जंतर-मंतर पर जबन घुसने पर सीजेपी नेताओं के खिलाफ हुई कार्रवाई को लेकर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष महलोत्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कानून तोड़ने वाले युवाओं के कृत्य को तिरंगे की लड़ाई बताकर देश और युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। महलोत्रा ने सीजेपी नेताओं सौरभ दास और आशुतोष रांका पर भी विदेशी पैसे के सहारे युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने ने कहा कि सीजेपी नेताओं ने कृत्य करने से चार दिन पहले मजिस्ट्रेट न्यायालय में बॉन्ड भरकर एक साल तक कोई गैरकानूनी कृत्य नहीं करने का आश्वासन दिया था।

मुखर्जी नगर में विद्यार्थियों के बीच पहुंचीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

समस्याएं सुन अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार देर शाम राजधानी के प्रमुख शैक्षणिक एवं कोचिंग हब मुखर्जी नगर क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चाय की दुकान पर विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और पढ़ाई, आवास, महिला सुरक्षा तथा बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। विद्यार्थियों ने नि-शुल्क लाइब्रेरी की कमी, पीजी के अधिक किराए, जमानत राशि, दलाही, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी और सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति जैसे मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली में शिक्षा प्राप्त करने आए युवा राजधानी के परिवार का हिस्सा हैं। उनकी सुविधाओं, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए अनुकूल वातावरण



उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों ने क्षेत्र में किराएती लाइब्रेरी की कमी और मौजूदा लाइब्रेरी के बार-बार बंद होने से पढ़ाई प्रभावित होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लाइब्रेरी की स्थिति, भवन संबंधी कमियां और सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय विधायक और अधिकारियों से खाली प्लॉट तथा उपलब्ध सामुदायिक भवनों में उपयुक्त स्थान चिह्नित करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों के लिए नि-शुल्क लाइब्रेरी विकसित की जा सके।

विद्यार्थियों ने पीजी के अधिक किराए, जमानत राशि और दलाही के कारण होने वाले खर्च की समस्या भी उठाई। उन्होंने बताया कि पर्याप्त हॉस्टल उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लाइब्रेरी की स्थिति, भवन संबंधी कमियां और सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय विधायक और अधिकारियों से खाली प्लॉट तथा उपलब्ध सामुदायिक भवनों में उपयुक्त स्थान चिह्नित करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों के लिए नि-शुल्क लाइब्रेरी विकसित की जा सके।

दीपावली तक देश में 7 लाख करोड़ से अधिक का होगा कारोबार : कैट

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)

इस वर्ष नवरात्रि से लेकर दीपावली तक देश में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है। यह बात कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को कही।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले 15 से 18 फीसदी ज्यादा कारोबार इस वर्ष होने की उम्मीद है। कैट का यह प्रारंभिक अनुमान देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारिक संगठनों एवं बाजारों से प्राप्त फीडबैक, उपभोक्ता मांग, त्योहारी खरीदारी के रुझान को देखते हुए तैयार किया गया है।

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पिछले वर्ष दीपावली के अवसर पर देश में लगभग 6.05 लाख करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार हुआ था, जिसमें लगभग 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार तथा 65,000 करोड़ का सेवा क्षेत्र शामिल था। इस वर्ष त्योहारी गतिविधियों के और व्यापक होने को देखते हुए कारोबार के 7 लाख करोड़ से ऊपर जाने की संभावना है। इस वर्ष त्योहारी अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। नवरात्रि से दीपावली के दौरान परिवहन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, फेजिंग, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्तरां, पर्यटन, कैटरिंग, टेंट एवं डेकोरेशन, लाइटिंग, इवेंट मैनेजमेंट, कैब एवं स्थानीय परिवहन सहित अनेक सेवाओं में भारी मांग रहने की संभावना है।

सरकार अधोषित आपातकाल' थोप रही: दीपके

नागपुर/नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार देश में 'अधोषित आपातकाल' थोप रही है। सीजेपी के दो सदस्यों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद नागपुर में मोड़िया से बात करते हुए ये बात कही।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने सवाल किया, जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के लिए सीजेपी सदस्य सौरव दास और आशुतोष रांका ने आखिर कौन-सा अपराध किया था। उन्होंने पूछा कि उनका अपराध क्या था? दीपके ने कहा केंद्र सरकार देश में आपातकाल लगाना चाहती है तो आधिकारिक तौर पर लगाए। सिर्फ जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज लहराने के लिए लोगों को पांच दिन तक हिरासत में रखा जाता है? वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा



लगाए गए आपातकाल के दौरान भी ऐसा नहीं हुआ था।

दीपके बुधवार को नागपुर स्थित दीक्षाभूमि पहुंचे और संविधान के शिल्पकार डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। यहां 14 अक्तूबर, 1956 को डॉ. बीआर

दिल्ली में दीपावली के दौरान ग्रीन पटाखों की मिले अनुमति : सीटीआई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने दीपावली के मौके पर दिल्ली में ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए अनुमति की मांग की है। उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में दीपावली और दशहरे पर ग्रीन पटाखों की सशर्त अनुमति दी जाए।

बृजेश गोयल ने कहा कि 15 अक्टूबर को पटाखों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई है। सुप्रीम कोर्ट भी पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के पक्ष में नहीं है, अब गेंद दिल्ली सरकार के पाले में है। ऐसे में दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए और ग्रीन पटाखों की

अनुमति का पक्ष लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली का उल्लेख हमारे शास्त्रों और पुराणों में मिलता है। दीये जलाना, रोशनी करना, पटाखे फोड़कर खुशी मनाना हमारी सनातन संस्कृति का हिस्सा रहा है। अयोध्या में भगवान राम के आगमन पर पूरी अयोध्या को दीपों से सजाया गया था।

ग्रीन पटाखे सुप्रीम कोर्ट और वैज्ञानिक संस्थानों (नोरी) द्वारा प्रमाणित हैं, जो 30 फीसदी कम प्रदूषण करते हैं। जब पूरा देश दीपावली पर ग्रीन पटाखों के साथ त्योहार मना रहा है, तो दिल्ली के करोड़ों हिंदुओं की आस्था का भी सम्मान होना चाहिए। पूर्ण प्रतिबंध से न केवल लाखों व्यापारियों की रोजी-रोटी पर संकट आता है, बल्कि हिंदू समाज की धार्मिक भावना भी आहत होती है।



के रोजमर्रा के जीवन में दिखाई दे। उन्होंने बताया कि आईसीसीसी प्लेटफॉर्म पर एससीएडीए सिस्टम, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), स्मार्ट मोटर, उपभोक्ता शिकायतों, रखरखाव व्यवस्था और जीपीएस से जुड़े फील्ड वाहनों का डेटा एकीकृत

किया जाएगा। इससे अधिकारियों को जल आपूर्ति नेटवर्क की निगरानी करने, मरम्मत टीमों की लोकेशन ट्रैक करने और शिकायतों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा करने में मदद मिलेगी। कमांड सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्विन तकनीक के

दिल्ली पुलिस विशेषाधिकार समिति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए दुर्य्यहार को लेकर संसद की विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखा है। उन्होंने एक्स पर पत्र के साथ पुलिस की बर्बरता की फोटो साझा कर केन्द्र सरकार से कहा है कि हम कोई गुंडे, माफिया या आतंकवादी नहीं देखे की संसद के सदस्य हैं।



इस्तेमाल से पाइपलाइन फटने की आशंका का पूर्वानुमान लगाने, कम दबाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने और पानी की मांग के पैटर्न को समझने में सहायता मिलेगी। इससे संभावित समस्याओं की पहले से पहचान कर समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकेगे।

मुखर्जी नगर में विद्यार्थियों के बीच पहुंचीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

किया जा रहा है, ताकि उन्हें बेहतर और व्यवस्थित आवास सुविधाएं मिल सकें।

छात्राओं ने देर शाम आवागमन के दौरान सुरक्षा संबंधी कठिनाइयों और कुछ स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों और पुलिस प्रतिनिधियों को स्ट्रीट लाइट तथा सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की समीक्षा करने और आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। नियमों के विरुद्ध गहरे रंग की फ़िल्म लगे वाहनों के आवागमन की शिकायत पर भी उन्होंने पुलिस को नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय को पिंक टॉयलेट के रूप में विकसित कर जल्द चालू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने के साथ जरूरत के अनुसार अतिरिक्त शौचालय ब्लॉक के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित करने को भी कहा। मुखर्जी नगर, नेहरू विहार और आसपास की कॉलोनीयों में रहने वाले विद्यार्थियों ने पलियों में गंदगी, कूड़े और दूग्ध की समस्या उठाई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण

विधवा बहू सक्षम नहीं तो ससुर उठाए खर्च : कोर्ट

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि विधवा बहू अपनी कमाई या पति की संपत्ति से भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, तो ससुर पर उसका खर्च उठाने की कानूनी जिम्मेदारी है। इसमें केवल आर्थिक मदद ही नहीं, बल्कि रहने के लिए आश्रय उपलब्ध कराना भी शामिल है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने यह टिप्पणी हिंदू दत्तक ग्रहण व भरण-पोषण अधिनियम (एवएएमए), 1956 की धारा 19 और 3(बी) की व्याख्या करते हुए की। मामला पश्चिम विहार की एक संपत्ति से जुड़ा है। संपत्ति मालिक ससुर ने अपने दिवंगत बेटे की पत्नी और दो पोतियों को बेदखल करने की मांग की थी। पति की मृत्यु के बाद भी तीन दो दशक से अधिक समय से संपत्ति में रह रही थीं। बहू ने दावा किया कि यह उसका साझा घर है और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत उसे वहां रहने का अधिकार है। पीठ ने माना कि पति की मृत्यु से महिला का साझा घर में रहने का अधिकार खत्म नहीं होता। अदालत ने कहा कि एचएमए में भरण-पोषण में भोजन, कपड़े, शिक्षा, चिकित्सा देखाभाल के साथ रहने की जगह भी शामिल है।

विद्यार्थियों ने बारिश के दौरान सीवर का पानी पेयजल आपूर्ति में मिलने की आशंका और पानी की गुणवत्ता को लेकर भी चिंता जताई। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शिकायत की जांच कराने और पेयजल की गुणवत्ता तथा आपूर्ति व्यवस्था में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों ने रात के समय तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजने से पढ़ाई प्रभावित होने की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाउडस्पीकर के इस्तेमाल में विचारित समय-सीमा और ध्वनि संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से ऐसी शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की अपील की, ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी में अग्नि सुरक्षा तथा सुरक्षित निकास मार्गों को लेकर विद्यार्थियों की चिंताओं पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भवनों की उपयुक्तता, निकास मार्ग और अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए।

दिल्लीवासियों की तरफ से मुख्यमंत्री ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों की यात्रा पर दिल्ली कैबिनेट में मंगलवार को अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की प्रगति, जनकल्याण, नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार और राज्यों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल की हैं और दिल्ली को भी केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं और वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग का लाभ मिला है। उन्होंने ढाई करोड़ दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरवरी 2025 में दिल्ली सरकार ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना को लागू



किया गया है जिसके तहत अब तक दिल्ली में 9 लाख से अधिक लोग योजना में नामांकन करा चुके हैं और लगभग 85,000 दावों के तहत 118 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत आवश्यक दवाइयां बाजार मूल्य से लगभग 90 प्रतिशत

तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, दिल्ली में लगभग 4.15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं और सरकार का लक्ष्य इनकी संख्या बढ़ाकर लगभग 1,100 करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से हाज़ाई खुर्गी, वहां मकानढू के तहत पात्र परिवारों को बेहतर आवास उपलब्ध करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू की गई जनधन, मुद्रा, पीएम स्वनिधि और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ दिल्ली के नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिल्ली में लगभग 3 लाख गैस कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे पात्र परिवारों, विशेषकर महिलाओं को स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिली है। दिल्ली में 73 लाख परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

सप्तशती पाठ और हवन से भक्तिमय रहा माहौल

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। नवरात्र में मयूर विहार फेज-दो स्थित श्री नीलम माता वैष्णो देवी मंदिर में बुधवार को पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। सुबह माता रानी के चरण पूजन के साथ दिन की शुरुआत हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन और सप्तशती चंडी पाठ से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर में भंडारा किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति देकर माता

सीजेपी के सौरव दास, आशुतोष रांका को जेल भेजा

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। जंतर-मंतर क्षेत्र में पाबंदी के बावजूद जबन घुसने और सुरक्षा घेरा तोड़ने के मामले में गिरफ्तार काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रकटा सौरव दास और सह-संयोजक आशुतोष रांका को बुधवार को कोर्ट में पेशी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसी मामले में हिरासत में लिए गए सीजेपी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे को पुलिस ने पांच हजार रुपये का मुचलका (बॉन्ड) भरवाने और अगले छह महीने तक किसी भी प्रकार की अशांति न फैलाने की कड़ी शर्त के साथ रिहा कर दिया है। वहीं, साथियों की गिरफ्तारी और खुद पर लगी पाबंदियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर को डीनॉटिफाई करके सरकार जन-आंदोलनों को कुचलना चाहती है। सौरव दास और आशुतोष

रांका को जेल भेजकर हमारे हौसले नहीं तोड़े जा सकते। हमारे साथियों ने लोकतंत्र को बचाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से बैरिकेड्स पर किए थे। शर्तों और बॉन्ड के सहारे हमारी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तक हमारा प्रतिरोध जारी रहेगा। पुलिस के मुताबिक, जंतर-मंतर को आधिकारिक धरना स्थलों की सूची से हटाए जाने के विरोध में सीजेपी के 14 सदस्यों ने मंगलवार को इस इलाके में जबन घुसने का प्रयास किया। सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे की अगुवाई में सभी 14 प्रदर्शनकारी बंद पड़े लोहे के गेट और सुरक्षा बैरिकेड्स को लांघकर जंतर-मंतर परिसर के भीतर जा कूदे और अंदर पहुंचने पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी थी। इसके बाद नई दिल्ली जिले की पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया था।



जरूरी कार्य किए जा सकेगे। कमांड सेंटर से जीपीएस के जरिए वाहन की लोकेशन ट्रैक की जा सकेगी और जरूरत के अनुसार उसे संबंधित स्थान पर भेजने के लिए समन्वय किया जाएगा। इस व्यवस्था से मरम्मत में होने वाली देरी कम करने, जल आपूर्ति जल्द बहाल करने तथा पानी की बर्बादी और सड़कों को होने वाले नुकसान को घटाने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि बड़ी पाइपलाइन में लीकेज होने पर कुछ मिनट भी महत्वपूर्ण होते हैं। आपात स्थिति के बाद उपकरणों की व्यवस्था करने के लिए पहले से तैयार रहना समय बचाता है और जल आपूर्ति जल्द बहाल करने में सहायक होता है।

दिल्ली में जल प्रबंधन होगा स्मार्ट, प्रवेश साहिब सिंह ने किया इंटेलिजेंट कमांड सेंटर का उद्घाटन

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में जल आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को शिवाजी मार्ग स्थित जेडब्ल्यूआईएल की ईफ़ा लिमिटेड के कार्यालय में इंटेलिजेंट कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष उपकरणों से लेस इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन पहलों से पाइपलाइन में लीकेज का जल्द पता लगाने, पानी की बर्बादी रोकने और जल आपूर्ति संबंधी शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। कमांड सेंटर के माध्यम से जल आपूर्ति नेटवर्क की निगरानी,

रखरखाव, उपभोक्ताओं की शिकायतों और फील्ड ऑपरेशन से संबंधित जानकारीयां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इससे अधिकारियों को जल आपूर्ति व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि जल प्रबंधन का अर्थ केवल पानी की आपूर्ति करना नहीं है, बल्कि पानी की बर्बादी रोकना, समस्याओं का समय रहते पता लगाना और पाइपलाइन में लीकेज या अन्य बाधाओं के कारण लोगों को होने वाली परेशानी को कम करना भी है। तकनीक का वास्तविक लाभ तभी है, जब उसका असर दिल्लीवासियों



के रोजमर्रा के जीवन में दिखाई दे। उन्होंने बताया कि आईसीसीसी प्लेटफॉर्म पर एससीएडीए सिस्टम, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), स्मार्ट मोटर, उपभोक्ता शिकायतों, रखरखाव व्यवस्था और जीपीएस से जुड़े फील्ड वाहनों का डेटा एकीकृत



इस्तेमाल से पाइपलाइन फटने की आशंका का पूर्वानुमान लगाने, कम दबाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने और पानी की मांग के पैटर्न को समझने में सहायता मिलेगी। इससे संभावित समस्याओं की पहले से पहचान कर समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकेगे।

जल मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पानी की बर्बादी कम करना, मरम्मत कार्यों में तेजी लाना और जवाबदेही बढ़ाना है। शिकायत को जनरेटर सेट और मरम्मत के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। इससे घटनास्थल पर बिजली उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी

बेहतर सेवाएं देने में मदद मिलेगी। जेडब्ल्यूआईएल वर्तमान में दिल्ली जल बोर्ड की चंदावल जल आपूर्ति परियोजना के पैकेज 2, 3 और 4 पर काम कर रही है। इन पैकेजों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में दिल्ली की लगभग 10 प्रतिशत आबादी और भौगोलिक क्षेत्र शामिल हैं। इनमें कई महत्वपूर्ण वीआईपी क्षेत्र भी आते हैं। बड़ी पाइपलाइनों में लीकेज की स्थिति में तत्काल मरम्मत के लिए विशेष इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन तैयार किया गया है। इसमें हाई-कैपेसिटी सबमर्सिबल डी-वॉटरिंग पंप, 60 केवीए का जनरेटर सेट और मरम्मत के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। इससे घटनास्थल पर बिजली उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी

संक्षिप्तवार्ता

देवरिया में लॉबित राजस्व मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश

वेब वार्ता, देवरिया

देवरिया जिले में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्मी ने आज वर्चुअल बैठक के दौरान सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को एक से तीन वर्ष की अवधि से लंबित धारा 24, 34 एवं 116 के मुकदमों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन वादों का निस्तारण प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्थिति में कोई वाद लंबित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने तहसीलदारों एवं उप जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए कि राजस्व वादों का निर्धारित मानक से अधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पचपेड़वा में पुलिस व एनसीसी कैडेटों ने निकाला पैदल मार्च

वेब वार्ता, कमर खान

पचपेड़वा/बलरामपुर। मिशन शक्ति अभियान के छठे चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक मार्टड प्रकाश सिंह जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी अभय प्रभात मल्ल के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर फजलेरहमानिया कॉलेज के उठउ महिला कैडेट के साथ प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सिंह की उपस्थिति में कक्षा पचपेड़वा में महिला पुलिस कर्मियों व उठउ महिला कैडेट के साथ पैदल मार्च किया गया तथा दैनिक संचालन नियमों के बारे में जुड़ीकुइयां चौराहे पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

स्पाई ग्लास इण्डोस्कोप से बुजुर्ग महिला की नली में फंसी पथरी को निकाला

वेब वार्ता,कानपुर

90 वर्ष की बुजुर्ग महिला पेट में दर्द व पीलिया की बीमारी से ग्रसित थी। इसके साथ ही पिछले कुछ दिनों से तेज ठंड लाकर काफी दिनों से बुखार आ रहा था। इन समस्याओं के साथ मरीज के परिजन जी०एस०बी०एस०पी०जी०आई० कानपुर के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० विनय कुमार की ऑप०पी०डी० में लेकर आये। महिला की स्थिति को देखते हुए डॉ विनय कुमार ने बुजुर्ग महिला को सोमवार को भर्ती कर लिया। जाँचों के बाद पता लगा कि मरीज के पित की नली में 2 सेंमी की बड़ी पथरी फंसी हुई है। जिसकी वजह से पीलिया व मवाद बनाा शुरू हो गया था। मरीज की उम्र अधिक होने के कारण मरीज ऑपरेशन के लिए उपयुक्त नहीं थी।

मरीज का इलाज बिना ऑपरेशन के स्पाई ग्लास इण्डोस्कोप व इलेक्ट्रो हाइड्रोलॉक लिथोट्रिप्सी की विधि द्वारा करने का निर्णय लिया गया। बुधवार को डॉ० विनय कुमार (विभागाध्यक्ष), डॉ ध्रुव टाकुर, एवं डॉ० सत्यम कुमार सिंह की टीम द्वारा इस विधि में पित की नली में फंसी बड़ी पथरी को छोटे टुकड़ों में तोड़कर डी०आर०सी०पी० विधि से साफ कर दिया गया।

1279 शीशी कोडीन युक्त अवैध नशीली दवाई- सिरप के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी की बड़ी कार्यवाही

बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच विभवजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा विराशु गौतम के पर्यवेक्षण में भूपारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम को मिली सफलता।

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक बहराइच विभवजीत श्रीवास्तव के द्वारा प्रतिबंधित औषधियों के विक्रय पर रोकथाम हेतु दिए गए आदेश- निर्देशों के तहत प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में थाना रुपईडीहा पुलिस,



औषधि प्रशासन विभाग एवं एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा प्राप्त इनपुट के आधार पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान कब्जा केवलपुर अंडरपास,

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें तो यह व्यवस्था की खामी है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए



फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान कुल 110 शिकायतें प्राप्त हुईं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें तो यह व्यवस्था की खामी है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए

को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

इनकी रही उपस्थिति उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि फरियादियों की समस्याओं का वास्तविक समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को राहत पहुंचाई जाए और निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीईसी के खिलाफ अधिवक्ताओं ने मरी हुंकार

मुरादाबाद (वेब वार्ता)। मुख्य चुनाव आ्युक्त के त्यागपत्र की मांग को लेकर घरने प्रदर्शन समाप्त होने का नाम नहीं ले रहे हैं विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के साथ-साथ समाज के अनेक वर्ग भी मुख्य चुनाव आ्युक्त के इस्तीफा की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय उज्जवल क्रांति पार्टी के बैनर तले अधिवक्ताओं ने मुरादाबाद में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी को पेश किया जिसमें कहा गया है कि मुख्य चुनाव आ्युक्त के विरुद्ध निर्वाचन प्रक्रिया में निष्पक्षता पारदर्शिता एवं संवैधानिक दायित्वों के पालन के संबंध में सवाल खड़े हो रहे हैं बड़े पैमाने पर घरने प्रदर्शन किये जा रहे हैं कहा गया कि भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है।

हरदोई में विकास योजनाओं पर डीएम सख्त, अधूरे पंचायत भवन जल्द होंगे पूरे

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और विकास कार्यों में देरी को लेकर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने अधिकारियों को अनुरूप काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, लॉबित पंचायत भवनों का निर्माण प्राथमिकता से पूरा कराने और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दूसरी किस्त जारी करने से पहले स्थलीय सत्यापन कराने पर विशेष जोर दिया। विवेकानंद समागार मे आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने 15वें वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, केंद्रीय वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

बिहार के वैशाली में नाव पलटने से 13 बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम



वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए दर्दनाक नाव हादसे में 13 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। कई परिवारों की खुशियां एक झटके में उजड़ गईं। बच्चों के शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अस्पताल में परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी भावुक हो गई और उन्हें गले लगाकर सांत्वना देने लगीं।

जानकारी के अनुसार, रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिधेश्वर राय के वहां भोज का आयोजन था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के दूसरी ओर भोज खाने जा रहे थे। इसी दौरान बीच पानी में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मोबाइल की रोशनी में बचाव कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को पानी से बाहर निकाला गया।

सभी को राघोपुर फतेहपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 13 लोगों को मृत घोषित कर दिया। तीन गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। घटना के बाद अस्पताल में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि एक ही परिवार की सात बच्चियों और दूसरे परिवार की पांच बच्चियों की मौत हुई है। तीसरे परिवार के एक बच्चे ने भी जान गंवाई। जिलाधिकारी वर्षा सिंह और वरीय पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहीं, ग्रामीणों ने अंचल प्रशासन पर जर्जर नाव उपलब्ध कराने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। हादसे के बाद नाव की स्थिति और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठ रहे हैं।

आशुतोष और सौरभ को 5 दिन के लिए तिहाड़ जेल भेजा

जंतर-मंतर मामले में मंगलवार को हिरासत में लिया था

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता आशुतोष रांका और सौरभ दास को दिल्ली के जंतर-मंतर क्षेत्र में जबरन घुसने के मामले में पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई के तहत, पार्टी के एक अन्य सदस्य अभिजीत दीपके के राजनीतिक गुरु अर्जुन्य शिंदे को हालाँकि पीस बॉन्ड भरवाकर रिहा कर दिया गया। इससे पहले रांका, सौरभ दास और शिंदे सहित तीनों नेताओं को बोते कल हिरासत में लिया गया था। आज सुबह उन्हें एहतियातन गिरफ्तार कर मॉजस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां शिंदे को छोड़कर दोनों नेताओं को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। रांका और दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के फैसले पर



काँकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दोनों का गुनाह क्या था? उन्होंने सोशल मीडिया पर पूछा, आशु और सौरभ को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी क्या गलती है? जंतर-मंतर पर तिरंगाफहरना ?पुलिस अधिकारियों

के अनुसार, तीनों नेताओं को मंगलवार तड़के उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वे बैरिकेडिंग्स पार कर जंतर-मंतर क्षेत्र में घुस गए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। जंतर-मंतर को हाल ही में प्रदर्शनों के लिए अधिसूचित स्थलों की सूची से हटा

दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने तीनों के खिलाफ जबरन प्रवेश करने, निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने, शांति बनाए रखने के लिए दिए गए मुचलके की शर्तों का उल्लंघन करने और लोक सेवक को उसके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने सहित विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज किया है।

पाकिस्तान ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को अपनी हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल फतह-2 एक्सटेंडेड रेंज का सफल परीक्षण किया। सेना ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परीक्षण ने मिसाइल की सभी निर्धारित क्षमताओं को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया। इस मिसाइल को विशेष रूप से लंबी दूरी के लक्ष्यों को अत्यधिक सटीकता से निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूती प्रदान करेगी। सेना के अनुसार, फतह-2 ईआर में अत्याधुनिक नौवहन प्रणाली और उन्नत एवियोनिक्स लगाए गए हैं।

सऊदी पर हमले के पीछे तेल का खेल, ट्रंप बोले- 3 नवंबर के बाद नहीं बरख्शेंगे

वाॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनका मकसद अमेरिकी चुनवाों से पहले तेल की कीमतें बढ़ाना है। ट्रंप के अनुसार, यह सब ईरान के इशारे पर हो रहा है, जिसकी कीमत हूतियों को 3 नवंबर के बाद भुगतनी होगी। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि वे सऊदी अरब पर हो रहे हमलों को नहीं भूलेंगे और चुनाव के बाद इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि पिछले साल अमेरिकी सेना के हमलों के बाद काफी समय तक शांति रही थी, लेकिन अब हूती फिर से सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी, हूती बेहद खराब बर्ताव कर रहे हैं। किसी को उन्हें समझाना चाहिए कि मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। मैंने पहले ही बड़ी जीत हासिल कर ली है, लेकिन चुनाव के बाद भी मैं यहीं रहूंगा और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

हूती विद्रोहियों ने हाल ही में सऊदी ठिकानों पर हमले किए हैं, जिन्हें रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी शामिल है। इन हमलों के बाद हवाई अड्डे को 17 अक्टूबर तक बंद

कश्मीर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश



तिरंगा लहराने पर युवाओं को जेल भेजना कायरता: राहुल गांधी

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पतिक्रिया दी है।

बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए

युवाओं को जेल भेजना कायरतापूर्ण कदम है।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्र, युवा, पत्रकार और विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य भले ही अलग-अलग बैनर के तहत प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन उनकी मांग एक ही है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया सीजेपी नेताओं की न्यायिक हिरासत और जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर सामने आई है।

दरअसल, मंगलवार को जंतर-



मंतर पर प्रदर्शन के दौरान सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। दोनों नेता अन्य कार्यकर्ताओं के साथ तिरंगा लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। बताया गया कि प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग पार

हालाँकि, 16 से 24 अक्तूबर के बीच मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। बर्फबारी के बाद गुलमर्ग, अफरवात, सोनमर्ग और जोजिला क्षेत्र की पहाड़ियां चमक उठी हैं, जो पर्यटकों के लिए एक आकर्षक नजारा बन गया है। कश्मीर में जहां बर्फबारी से ठंड बढ़ी है, वहीं जम्मू संभाग बीते रविवार को हुई मूसलाधार बारिश से हुए नुकसान से अब भी जूझ रहा है। जम्मू शहर के बनतालाब इलाके में 11 अक्टूबर को एक नाले में बही मूहला

रखसाना कौसर का शव मंगलवार को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने तीन दिन के गहन तलाशी अभियान के बाद बरामद कर लिया। एसडीआरएफ की डीएसपी अल्बोना मलिक ने बताया कि रखसाना अपने पति मोहम्मद करलीम को बचाने के प्रयास में तेज बहाव में बह गई थीं। कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने उनका शव ढूँढ निकाला।

कर नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

बाद में दोनों नेताओं को स्पेशल एंजीन्यूटिव मॉजस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। उन पर पहले से निर्धारित बेल बॉन्ड की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। हालाँकि, सीजेपी नेताओं की ओर से इन आरोपों को खारिज किया गया है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा कि तिरंगा फहराना और देशभक्ति के

नारे लगाना अपराध कैसे हो सकता है। वहीं, पार्टी नेता अर्जुन्य शिंदे ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई के जरिए प्रदर्शनकारियों को डराने की कोशिश की जा रही है।

यह पूरा मामला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने बयान में विभिन्न समूहों के आंदोलनों को संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा बताते हुए युवाओं की हिरासत पर सवाल उठाए हैं।

भाजपा नेता रमेश यादव के फार्म हाउस में 50 लाख की लूट, हाथ-पैर बांधकर बनाया बंधक



को नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे और उन्हें बंधक बना लिया।

बदमाशों ने रमेश यादव के हाथ-पैर बांध दिए और फार्म हाउस में तलाशी लेकर नकदी व कीमती सामान लूट लिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। घटना से

इलाके में हड़कंप मच गया है। खास बात यह है कि फार्म हाउस के बाहर मौजूद गनर को अंदर हुई वारदात की जानकारी नहीं हो सकी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। जॉइंट पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताड़ा और डीसीपी साथ दीपेन्द्रनाथ चौधरी ने पुलिस बल के साथ मौके का निरीक्षण किया। पुलिस आरोपियों की पहचान करने और वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाने में लगी है।

रमेश यादव क्षेत्र के वरिष्ठ नेता हैं और तीन बार ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं। उनकी पत्नी शशि यादव भी ब्लॉक प्रमुख रही हैं। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर बिदूर सोट से चुनाव लड़ा था। हाल ही में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी मिली थी।

कैंसर से जूझ रहे पोप लियो का सफल हुआ ऑपरेशन

हालत स्थिर, सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द



वेटिकन। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप लियो 14वें को लंग कैंसर होने की पुष्टि हुई है। वेटिकन ने मंगलवार को एक मेडिकल बुलेटिन जारी कर इसकी सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टरों ने 90 मिनट तक चले सफल ऑपरेशन में उनके दाएं फेफड़े के निचले हिस्से को निकाल दिया है। वर्तमान में उनकी हालत स्थिर है और वे अस्पताल में

भर्ती हैं। 71 वर्षीय पोप लियो में फेफड़ों का एंडिनोकार्सिनोमा, जो लंग कैंसर का एक प्रकार है, बताया गया था। उन्होंने अपने 17 महीने के कार्यकाल में पहली बार इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या की जानकारी भीते परिवार को प्रार्थना के दौरान दी थी, जब उन्होंने फेफड़े में एक गांठ का पता चलने की बात कही थी और इसे निचलवाने का इरादा व्यक्त किया था। मंगलवार शाम शुरू हुई यह सर्जरी बिना किसी जटिलता के पूरी कर ली गई।

सर्जरी के बाद वेटिकन ने बताया कि पोप सामान्य रूप से होश में आ गए हैं और अपने अस्पताल के कमरे में आराम कर रहे हैं। घटनाक्रम से परिचित सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत बेहद अच्छी बताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि पोप लियो के पूरी तरह ठीक होने की संभावना अधिक है क्योंकि गांठ को शुरुआती चरण में ही निकाल दिया गया था।

साल में दूसरी बार भारत जा रहे रुबियो दिल्ली नहीं जाएंगे

वाॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो इसी महीने अक्टूबर में भारत का दौरा करेंगे। इस यात्रा की खास बात यह है कि वह इस बार दिल्ली नहीं आएंगे। रुबियो अपनी उच्चेकिस्तान यात्रा पूरी करने के बाद सीधे मुंबई और गुजरात के जामनगर जाएंगे। यह इस साल मई के बाद उनका दूसरा आधिकारिक भारत दौरा होगा। इस दौरान भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, ऊर्जा सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को आगे ले जाने पर विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, मार्को रुबियो भारत यात्रा के दौरान वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन मुलाकातों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हाल ही में मोटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्ट की भारत यात्रा के दौरान उन्हें ऑनलाइन आलोचना और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, जियानफोर्ट ने इस आलोचना को ज्यादा महत्व न देते हुए कहा था कि उनकी यात्रा से मोटाना, भारत और अमेरिका, तीनों के हितों को साधने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।



हो गई है। मुस्कान ने पूजा-पाठ भी घटा दिया है। उनके तनाव और अवसाद को देखते हुए चिकित्सकीय परीक्षण और नियमित काउंसलिंग कराई जा रही है।

जेल प्रशासन ने उनकी सुरक्षा और निगरानी भी बढ़ा दी है। मुस्कान अपनी दोनों बेटियों के भविष्य को लेकर चिंतित है। उसने जेल प्रशासन से अपनी बड़ी

हूतियों ने एआई की मदद से गाइडेड रॉकेट, बैलिस्टिक और आर2000 मिसाइल बनाई

न्युयार्क। अमेरिका की अत्याधुनिक तकनीक एआई अब उसके ही करीबी सहयोगी देशों के लिए नई सुरक्षा चुनौती बन रही है। यमन के हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक के एआई सिस्टम क्लॉड का इस्तेमाल कर मिसाइलें और गाइडेड रॉकेट बनाने का दावा किया गया है, जिसने सऊदी अरब को सीधे निशाने पर ला दिया है। यह दावा एंथ्रोपिक की एक रिपोर्ट में किया गया है, जिसके मुताबिक हूतियों ने तीन तरह के हथियारख़ गाइडेड रॉकेट, लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल और आर2000 मिसाइलख़ बनाने में क्लॉड का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक इस एआई का इस्तेमाल हथियारों के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करने, तकनीकी समस्याओं को समझने और डिजाइन प्रक्रिया में सहायता लेने के लिए किया गया। अगर ये दावे सही साबित होते हैं, तो यह एआई के सैन्य इस्तेमाल और उसके सभावित विनाशकारी खतरों का सबसे बड़ा उदाहरण होगा।

पेंटाबार्बिटल के दो इंजेक्शन से भी बच गई मौत की दोषी क्रिस्टा पाइक

वाशिंगटन। अमेरिका में हत्या की दोषी महिला क्रिस्टा पाइक को मौत की सजा देने के लिए पेंटाबार्बिटल के दो घातक इंजेक्शन दिए गए, इसके इतिहास में पहली बार असफल रही। पाइक के वकील रेंडेल स्याडवे के अनुसार, इंजेक्शन गगने के बावजूद पाइक पूरी तरह ठीक थीं। प्रक्रिया विफल होने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ वेंटिलेटर पर रखकर उनके शरीर से दवा को हटाया गया। पेंटाबार्बिटल एक बारबिट्युरेट दवा है जो सीधे व्यक्ति के नर्वस सिस्टम पर हमला करती है। पहले इसे बेहोशी के लिए इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब यह प्रतिबंधित है और कुछ अमेरिकी राज्यों में मृत्युदंड के लिए प्रयोग की जाती है। डेलीमैड और पनसीबीआई की रिसर्च बताती है कि इस इंजेक्शन में पेंटाबार्बिटल सोडियम, प्रोपाइलीन ग्लाइकोल और अल्कोहल होता है। यह दिमाग में जीएचपीयू न्यूरोटोक्समीटर पर हमला करता है, जिससे नर्सें धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती हैं। व्यक्ति पहले बेहोश होता है, फिर सांस लेने में दिक्कत होती है, और अंततः हृदय गति रुकने से मृत्यु हो जाती है। इसे पेनलेस इसलिए कहते हैं क्योंकि बेहोशी के कारण व्यक्ति दर्द महसूस करने की स्थिति में नहीं होता। सवाल उठता है कि ऐसी घातक दवा के बावजूद पाइक कैसे बच गईं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, प्रक्रिया के दौरान कमरे के दरवाजे तीन मिनट तक बंद रहे और खुलने पर पाइक खराट ले रही थीं, जिसके बाद अमेरिकी राज्यों में मृत्युदंड के लिए अधिकांस्टेफोर्ड ने इस गड़बड़ी की कई संभावित वजहें बताई हैं। पहली, हो सकता है कि दवा पुरानी हो चुकी हो या उसका बैच गलत हो। दूसरी संभावना यह है कि पाइक पर इस दवा का असर ही न हुआ हो, क्योंकि उनका नशीली दवाओं के सेवन का इतिहास रहा है।

मेहनत एवं समर्पण से मिलती है सफलता : उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। खेल भावना, अनुशासन और उत्साह के बीच कबीरधाम जिले में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 का आज भव्य शुभारंभ हुआ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के स्वामी करपात्री जी स्टेडियम कवर्धा में आयोजित समारोह में प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान ध्वज फहराया गया और विभिन्न जोंनों से आए खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर खेल भावना, एकता और अनुशासन का परिचय दिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।



13 से 16 अक्टूबर तक चलेगी चार दिवसीय प्रतियोगिता

उप मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल खेलिए और पूरे उत्साह के साथ खेलिए। हार और जीत हमेशा हमारे हाथ में नहीं होती, इसलिए

परिणाम की चिंता करने के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। खिलाड़ियों का प्रदर्शन इतना उम्दा होना चाहिए कि दर्शक खेल देखकर शानदार खेल की प्रशंसा

करें। यही खेल का असली आनंद और सच्ची खेल भावना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहनत सफलता दिलाती है और सफलता से सम्मान मिलता है। जब आप सफल होते हैं, तो दुनिया आपकी प्रतिभा को पहचानती है। सफलता का कोई अलग मंत्र नहीं है, इसके लिए जरूरी है कि खिलाड़ी अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन, मेहनत और समर्पण के साथ जुटे रहें।

आए सभी युवा खिलाड़ियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के दूरस्थ अंचलों, अबुझमाड़, सुकमा और बीजापुर से आए खिलाड़ियों से मिलकर विशेष खुशी हुई। बस्तर के युवा अब नक्सलवाद के दंश को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने और पूरे देश में अपनी प्रतिभा से पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य श्री भगत पटेल तथा जनपद पंचायत कवर्धा की अध्यक्ष श्रीमती सुष्मा गणपत बघेल, श्री विजय पटेल, श्री संतोष पटेल, श्री मनोराम, श्री लोकचंद साहू, श्री उमंग पांडेय, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एफ आर वर्मा सहित खिलाड़ी उपस्थित रहे।

गंगरेल बांध के विस्थापितों के पुनर्वास और भूमि आवंटन प्रकरणों की गहन जांच शुरू

➤ 5 सदस्यीय अंतर्विभागीय समिति गठित

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल जलाशय परियोजना (गंगरेल बांध) के अंतर्गत डूब प्रभावित जोगीडीह ग्राम के विस्थापित परिवारों के भूमि आवंटन और पुनर्वास से जुड़े दशकों पुराने मामलों के अंतिम और न्यायसंगत समाधान के लिए जिला प्रशासन धमतरी ने बड़ी पहल की है। वर्ष 1972 से प्रारंभ हुई इस बहुउद्देश्यीय परियोजना के तहत प्रभावित परिवारों के दावों, उपलब्ध राजस्व अभिलेखों और न्यायालयीन आदेशों का निष्पक्ष परीक्षण करने के लिए राज्य शासन के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में 5-सदस्यीय उच्चस्तरीय अंतर्विभागीय समिति का गठन किया गया है। अपर कलेक्टर धमतरी की अध्यक्षता में गठित यह समिति गंगरेल बांध जनकल्याण डूबा संघ संघर्ष समिति द्वारा प्रस्तुत मांग पत्रों के आधार पर पात्र एवं पारित हितग्राहियों की पहचान कर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। अनुविभागीय अधिकारी



(राजस्व) धमतरी ने जानकारी देते हुए बताया कि गंगरेल बांध परियोजना से धमतरी, बालोद एवं कांकेर जिलों के कुल 55 ग्राम प्रभावित हुए थे। जोगीडीह ग्राम के डूब प्रभावितों द्वारा समय-समय पर भूमि आवंटन, पुनर्वास और राजस्व अभिलेखों के संभारण से जुड़े विभिन्न आवेदन प्रस्तुत किए जाते रहे हैं। इन प्रकरणों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 16 दिसंबर 2020 को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश और शासन स्तर से जारी निर्देशों के अनुरूप तथ्यात्मक जांच की जा रही है।

सीजी मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन-

महिला और दित्यांग खिलाड़ियों को मिलेंगे विशेष अवसर, होंगे सम्मानित



रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं को कोई कमी नहीं है। गांवों, जनजातीय क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों में ऐसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिन्हें सही समय पर पहचान, बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और प्रतिस्पर्धा के पर्याप्त अवसर मिलें तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ा सकती हैं। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन इसी सोच को धरातल पर उतारने की महत्वपूर्ण पहल है। ये बातें सीएम विष्णुदेव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव और संजू देवी जैसी प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों से यह साबित किया है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भरपूर क्षमता है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में हो और उन्हें लगातार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन तथा उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं का अनुभव मिले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन की कार्ययोजना

ऐसी हो, जिसमें खिलाड़ी की प्रतिभा की पहचान से लेकर उसके उच्च प्रदर्शन वाले खिलाड़ी बनने तक की पूरी यात्रा के लिए स्पष्ट व्यवस्था हो। **खेल प्रतिभाओं की खोज:** सीएम साय ने कहा कि खेल प्रतिभाओं की तलाश केवल बड़े शहरों और स्थापित खेल अकादमियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। तीरंदाजी, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों से इन क्षेत्रों के युवाओं का स्वाभाविक जुड़ाव रहा है। ऐसी प्रतिभाओं को

चिन्हित कर वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रशिक्षण से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खेल उत्कर्ष मिशन की सफलता इस बात से तय होगी कि हम जमीनी स्तर पर कितनी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर दे पाते हैं। कोई भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी केवल संसाधनों अथवा अवसर की कमी के कारण पीछे नहीं रहना चाहिए। स्कूल से ही मजबूत होगी खेल संस्कृति मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्कूल स्तर से खेल गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले गांवों में बच्चों का खेल के मैदानों से

स्वाभाविक जुड़ाव होता था, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण यह जुड़ाव कम हुआ है। इसे फिर मजबूत करने की आवश्यकता है। स्कूलों में व्यायाम शिक्षकों के माध्यम से नियमित खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी विकसित करते हैं। स्कूल स्तर पर प्रतिभा की पहचान होने से योग्य बच्चों को समय रहते विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सकेगा और वे भविष्य में खेलों को एक बेहतर करियर के रूप में भी अपना सकेंगे। फीडर सेंटर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तक बनेगा प्रशिक्षण का मजबूत तंत्र बैठक में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, तैराकी, बैडमिंटन, जूडो और कबड्डी सहित प्राथमिकता वाले खेलों के विकास की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए फीडर सेंटर, उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण केंद्र और उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने की प्रस्तावित व्यवस्था की समीक्षा की गई।

छा में लागू हुआ नया किराया नियंत्रण कानून, राज्यपाल ने दी मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मकान और दुकान किराए पर देने तथा लेने के नियमों में बड़े बदलाव लागू हो गए हैं। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ भाड़ा नियंत्रण (संशोधन) अधिनियम को अपनी मंजूरी दे दी है, जिससे नए प्रावधानों को प्रदेश में लागू करने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। इस नए कानून के लागू होने से प्रदेश में सालाना 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के किराए कारोबार को अब एक पारदर्शी और कानूनी दायरे में लाया गया है। राज्य सरकार ने मकान मालिकों और किराएदारों, दोनों के अधिकारों की रक्षा करने तथा दोनों पक्षों के बीच किराए, सुरक्षा निधि और मकान खाली कराने को लेकर होने वाले विवादों पर अंकुश लगाने



के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। **सुरक्षा निधि और किराया वृद्धि के नियम:** नए अधिनियम में सुरक्षा निधि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट

की गई है। अब मकान मालिक किसी भी किराएदार से अधिकतम तीन महीने के किराए के बराबर ही सुरक्षा निधि ले सकेगा। कानून इससे अधिक राशि मांगने पर पूरी तरह रोक लगाता है। इसके अलावा, किराएदार को लिखित किरायानामे की प्रति प्राप्त करने तथा अपने द्वारा किए गए प्रत्येक भुगतान की लिखित रसीद पाने का पूरा अधिकार होगा। अधिनियम के तहत किराए में होने वाली वार्षिक बढ़ोतरी की सीमा भी तय की गई है। मौजूदा प्रावधानों के अनुसार समझौते में तय वार्षिक वृद्धि 2,000 रुपये तक के मासिक किराए पर अधिकतम पांच प्रतिशत हो सकती है। यदि मासिक किराया 2,000 रुपये से अधिक है, तो वार्षिक वृद्धि अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही की जा सकती है। किराएदार

को तय तारीख पर किराया चुकाना होगा और उपयोग की गई सेवाओं का भुगतान करना होगा। आवश्यक सेवाएं और बेदखली के प्रावधान: नया कानून किराएदार पर मकान खाली करने का अनुचित दबाव बनाने के लिए बिजली या पानी जैसी अनिवार्य सुविधाएं बंद करने पर सख्त रोक लगाता है। मकान मालिक खुद से ताला बदलकर या बुनियादी कनेक्शन काटकर कब्जा वापस नहीं ले सकता। दूसरी ओर, यदि किराएदार तय समय पर किराया नहीं देता, संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है या समझौते में तय उद्देश्य से अलग किसी काम के लिए परिसर का उपयोग करता है, तो मकान मालिक रेंट कंट्रोलर के समक्ष कानूनी बेदखली की मांग कर सकता है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गंभीरता से करें निराकरण

मुख्य सचिव ने ली अफसरों की बैठक



रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों की जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उन्नाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में अब तक राज्य में लगभग दो लाख शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। उन्होंने सभी विभागों को शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा करने तथा समस्याओं

का वास्तविक स्वरूप जानने के लिए आवश्यकतानुसार भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संबंधित नागरिकों की समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने और निराकरण की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष ध्यान देने को कहा

धान खरीदी नीति और जल जीवन मिशन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में आगामी धान खरीदी के लिए नीति तैयार करने तथा जल जीवन मिशन से संबंधित नीति के शेष बिंदुओं को समय पर पूरा करने के संबंध में चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों की सभी आवश्यक बिंदुओं की समीक्षा कर कमियों को दूर करने तथा कार्ययोजना को व्यवस्थित रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल उपयोगिता से

जुड़े विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। डिजिटल क्रांप सर्वे और अन्य विभागीय विषयों पर चर्चा बैठक में डिजिटल क्रांप सर्वे की समीक्षा करने तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। प्लानिंग एरिया में अनुमति, टीएसपी एकट तथा प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। बैठक में पारस पोर्टल के अंतर्गत शामिल एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई। आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं को बिना अनावश्यक विलंब के आगे बढ़ाने तथा जल जीवन मिशन और अमृत 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए। पेंशन और प्रशिक्षण से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की गई। कर्मचारी चयन मंडल को समय पर भेजें प्रस्ताव



अधिकारी कार्यालय में विकासखंड के कृषक मित्रों एवं किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मोबाइल आधारित टोकन प्रणाली, सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं से उर्वरक खरीदी की प्रक्रिया तथा डिजिटल व्यवस्था से मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कृषि सेवाओं की अधिक

सुगम और पारदर्शी बनाने के प्रयासों के तहत किसानों तक तकनीक आधारित व्यवस्थाओं की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। मोबाइल से मिलेगा टोकन, उर्वरक खरीदी की प्रक्रिया होगी व्यवस्थित फर्टिलाइजर सेल फ़ेमवर्क के अंतर्गत किसानों को मोबाइल के माध्यम से डिजिटल टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

ताजा खबर

संक्षिप्त

मंत्री टंकराम ने शोधग्रंथ पर्यावरण संरक्षण और अकादमिक उत्कृष्टता का अहम संगम

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और अकादमिक उत्कृष्टता का उत्कृष्ट संगम आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इसका सीधा मतलब एक ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जो न केवल छात्रों को मानसिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाती है, बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनाती है। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजिम (जिला-गरियाबंद) के प्राध्यापकों के संपादित शोधपरक पुस्तक एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट का आज विमोचन करते हुए मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में शोध, मौलिक लेखन और पर्यावरण जैसे वैश्विक विषय पर चिंतन-मनन अत्यंत सराहनीय है। एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पुस्तक न केवल विद्यार्थियों और शोधार्थियों का मार्गदर्शन करेगी, बल्कि सतत विकास के प्रति जन- जागरूकता फैलाने में भी मौल का पथर साबित होगी। महाविद्यालयीन प्राध्यापकों द्वारा अकादमिक क्षेत्र में किया गया यह नवीनमैपी प्रयास पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इस महत्वपूर्ण ग्रंथ का संपादन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समीक्षा चंद्राकर, रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवेन्द्र कुमारऔर वनस्पति शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश कौशिक पटेल ने किया है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम ने पुस्तक के सफल संपादन एवं विमोचन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संपादक मंडल पर हर्ष बताया।

नवीन शासकीय होम्योपैथी कॉलेज को 63 सीटों पर प्रवेश की सशर्त अनुमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ को पहले शासकीय होम्योपैथी कालेज की मान्यता मिली है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग , नई दिल्ली के अंतर्गत होम्योपैथी चिकित्सा आकलन और रेटिंग बोर्ड (रूऊक़ा II) द्वारा नवा रायपुर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर प्रवेश हेतु सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से मिला है। आयोग द्वारा 12 अक्टूबर को जारी सशर्त अनुमति पत्र के अनुसार, नवा रायपुर के सेक्टर-40, उपरवारा, अटल नगर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में 63 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ नवीन बीएचएमएस पाठ्यक्रम के संचालन को सशर्त स्वीकृति दी गई है। यह अनुमति राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 की धारा 29 के अंतर्गत प्रदान की गई है। कुल स्वीकृत 63 सीटों में न्यूनतम 15 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे के अंतर्गत रहेंगी, जबकि शेष 85 प्रतिशत सीटों पर संबंधित राज्य अथवा केंद्रशासित प्रदेश की सक्षम कार्डसलिंग संस्था द्वारा नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जाएगी। स्वीकृत प्रवेश क्षमता में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सीटें भी सम्मिलित हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात चयनित विद्यार्थियों की श्रेणीवार सूची राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग को उपलब्ध कराई जाएगी।

CGPSC ने सूबेदार-SI मुख्य परीक्षा स्थगित की: 2 से 4 नवंबर तक होनी थी परीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सूबेदार, उप निरीक्षक सर्वग और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2024 की मुख्य परीक्षा एक बार फिर टल गई है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार परीक्षा स्थगित करने की सूचना जारी की। इससे पहले 24, 25 और 26 अक्टूबर को संभावित थी। बाद में इसे बदलकर 2, 3 और 4 नवंबर किया गया था। अब इन तारीखों पर भी परीक्षा नहीं होगी। आयोग ने अपरिहार्य कारणों का हवाला दिया है, लेकिन नई तारीखों का ऐलान नहीं किया है। दरअसल, एलब्रिडज ने सूबेदार, उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 341 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित प्राथमिक परीक्षा का रिजल्ट 4 अगस्त को जारी किया था। प्री परीक्षा में 7,301 अभ्यर्थी सफल हुए हैं, जिन्हें मुख्य परीक्षा के लिए चयनित किया गया है।

शुभमन गिल-शेफाली वर्मा चुने गए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ



दुबई। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को सितंबर का आईसीसी लेंयर ऑफ द मंथ चुना गया है। यह पांचवीं बार है, जब गिल ने यह अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा। 27 साल के गिल सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटर बने हैं। वह मेंस कैटेगरी में भी सबसे ज्यादा बार यह पुरस्कार जीतने वाले क्रिकेटर भी हैं।

वूमंस कैटेगरी में भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उन्होंने अपनी साथी खिलाड़ी श्रीचारणी और श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टु को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। गिल पांचवीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे में 334 रन बनाए।

मंधाना की बादशाहत कायम



दुबई। भारत की नवनिर्युक्त कप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी वनडे महिला बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान कायम रखा है, जबकि आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में टॉप 10 में वापस आ गईं। वह 650 अंक के साथ दसवें स्थान पर हैं। हाल ही में हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तान बनाई गई मंधाना 790 अंक के साथ बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हरमनप्रीत नौवें स्थान पर हैं। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में दीपति शर्मा एक पायदान नीचे नौवें स्थान पर खिसक गईं। महिला टी-20 रैंकिंग में शेफाली वर्मा चौथे, मंधाना पांचवें और हरमनप्रीत दसवें स्थान पर हैं। महिला टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीचारणी और दीपति शीर्ष दो में हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में दीपति शीर्ष दस में अकेली भारतीय हैं और चौथे स्थान पर हैं। वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में वह छठे स्थान पर हैं। टी20 और वनडे टीम रैंकिंग में भारतीय महिला टीम तीसरे स्थान पर है। एलिस पेरी के अलावा उनकी साथी खिलाड़ी भी टॉप-30 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहुंच गई हैं। जॉर्जिया वॉल आठ स्थान की छलांग लगाकर 28वें नंबर पर आ गई हैं।

जडेजा ने लूटी महफिल, राहुल और जायसवाल फ्लॉप

रणजी ट्रॉफी में भारतीय सितारों का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के 10 से ज्यादा खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी 2026-27 में अपनी-अपनी घरेलू टीम के लिए खेल रहे हैं। मगर कुछ ही खिलाड़ियों ने पहले ग्रुप मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल-यशस्वी जायसवाल पूरी तरह फ्लॉप रहे, जबकि रवींद्र जडेजा ने जबरदस्त शतक ठोका। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) ने पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहने को कहा था। हालांकि, ज्यादातर भारतीय प्लेयर्स की रणजी ट्रॉफी में शुरूआत निराशजनक रही। भारत को अगले महीने न्यूजीलैंड में दो टेस्ट खेलने है, जिसकी वजह से राहुल-जायसवाल और जडेजा जैसे स्टार खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए दिख रहे हैं।

साउथ अफ्रीका की हार से बदल गया प्वाइंट्स टेबल का हाल, ऑस्ट्रेलिया टॉप पर; भारत की बड़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को डरबन में साउथ अफ्रीका को 214 रनों से हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 प्वाइंट्स टेबल में अपनी स्थिति और भी मजबूत कर ली है। साउथ अफ्रीका की हार से भारत की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया की ये 11 टेस्ट मैचों में 9वीं जीत है। उसे सिर्फ दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। कंगारूओं के अब कुल 108 अंक हो गए हैं, जबकि उसका प्वाइंट प्रतिशत 81.82 का हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की दावेदारी और भी मजबूत कर ली है। साउथ अफ्रीका अपने घर में खेल रहा था, ऐसे में उसके पास वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी स्थिति को मजबूत करने का सुनहरा मौका था। मगर ऑस्ट्रेलिया के दमदार प्रदर्शन की वजह से साउथ अफ्रीका को प्वाइंट्स टेबल में नुकसान झेलना पड़ा है। साउथ अफ्रीका की ये पांच मैचों में दूसरी हार है। उसने पांच मुकाबले जीते हैं। टेंबा बाबुमा की टीम के 60 प्वाइंट प्रतिशत है और वो इस हार के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई है, जबकि न्यूजीलैंड को साउथ अफ्रीका की हार का फायदा मिला है। वो 72.22 प्वाइंट प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।



भारतीय खिलाड़ियों का पहले मैच में प्रदर्शन
केएल राहुल- भारतीय टीम के उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज राहुल का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। कर्नाटक के लिए खेलते हुए दोनों ही पारी में सस्ते में आउट हो गए। एलिट ग्रुप बी के मुकाबले में आंध्र प्रदेश के खिलाफ दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ पांच रन ही बना पाए।

कुसल मेंडिस ने बचाई लाज, श्रीलंका ने 8 विकेट से जीता आखिरी मुकाबला; पाकिस्तान के नाम हुई सीरीज

नई दिल्ली। कप्तान कुसल मेंडिस की नाबाद धमाकेदार पारी की वजह से श्रीलंका ने मंगलवार को तीसरे और आखिरी टी20 में पाकिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने शुरूआती दो मुकाबले जीतकर पहले ही सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर ली थी।

प्लेयर ऑफ द मैच मेंडिस ने 48 गेंदों में 87 रनों की नाबाद तुफानी पारी खेली। मेंडिस ने अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के जड़े। श्रीलंका को पाकिस्तान ने 169 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मेहमान टीम ने 17.1 ओवर में ही हासिल कर लिया।

दो मेंडिस ने तोड़ी पाकिस्तान की कमर
कप्तान कुसल मेंडिस के अलावा, कामिंदु मेंडिस ने भी शानदार पारी खेली। वो कप्तान के साथ अंतिम तक क्रीज पर बने रहे और टीम की जीत सुनिश्चित की। कामिंदु ने 27 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाए। मेंडिस और कामिंदु के बीच तीसरे विकेट



के लिए नाबाद 55 गेंदों में 98 रनों की साझेदारी हुई, जिसकी वजह से श्रीलंका ने आसानी से जीत दर्ज की। मेंडिस ने 18वें ओवर में रजाउल्लाह की गेंद पर चौका लगाकर मैच को खत्म किया।

साहिबजादा फरहान बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

पाकिस्तान ने इससे पहले कप्तान साहिबजादा फरहान के दमदार अर्धशतक की वजह से 20 ओवरों में आठ विकेट

मोहम्मद सिराज- तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की कप्तानी में हैदराबाद ने एलिट ग्रुप बी मुकाबले में त्रिपुरा के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। हालांकि, उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। सिराज पहली पारी में कोई विकेट नहीं ले पाए। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने दो विकेट झटके। गुरनूर ब्रांर - पंजाब के लिए खेलते हुए तेज गेंदबाज गुरनूर ब्रांर भी कुछ खास नहीं कर पाए। उन्होंने आसाम के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ के मैदान पर 85 रन देकर दो विकेट लिए।

मानव सुथार- बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मानव सुथार तमिलनाडु के खिलाफ पहली पारी में विकेट लेने में असमर्थ रहे। सुथार राजस्थान टीम की मान संभाल रहे हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 17 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर- दाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा। सुंदर ने पहली पारी में तमिलनाडु के लिए दो विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने नाबाद 26 रन बनाए। आकाश दीप- तेज गेंदबाज आकाश दीप दिल्ली के खिलाफ एलिट ग्रुप सी मुकाबले में कुछ खास नहीं कर पाए। वो सिर्फ दो विकेट ही ले पाए, जबकि मोहम्मद शमी ने चार विकेट झटके।

सारांश जैन- दाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का प्रदर्शन निराशजनक रहा। मध्य प्रदेश के लिए वो बल्लेबाजी में अपना खाता भी नहीं खोल सके। इसके अलावा, गेंदबाजी में भी जम्मू और कश्मीर के खिलाफ कोई सफलता हासिल नहीं कर पाए। सरफराज खान- श्रीलंका दौरे पर साई सुदर्शन की जगह पर भारतीय टीम में शामिल होने वाले सरफराज खान का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। मुंबई के पहले मैच में वो चंडीगढ़ के खिलाफ सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए।

आफिब नबी- पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज आफिब नबी का प्रदर्शन जम्मू और कश्मीर के लिए कुछ खास नहीं रहा। पहली पारी में उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ सिर्फ एक विकेट लिया, जबकि दूसरी पारी में उन्हें दो सफलता मिली।

महज तीन दिन में जीती मुंबई

मुंबई। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मंगलवार को चंडीगढ़ को पारी और 155 रन से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। मुंबई ने तीन दिन के अंदर जीत दर्ज की और बोनस अंक भी हासिल किया। वानखेड़े स्टेडियम में खेलें हुए इस मुकाबले में मुंबई के गेंदबाजों ने चंडीगढ़ की दूसरी पारी में भी शानदार प्रदर्शन किया। मुंबई ने इससे पहले सोमवार को मैच के दूसरे दिन चंडीगढ़ की पहली पारी महज 78 रन पर समेट कर 35.1 रन की बढ़त हासिल कर उसे फॉलोऑन दिया। चंडीगढ़ ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट गंवाया था।

आईटी शेयरों के दम पर सपाट खुला बाजार, सेंसेक्स 16 अंक चढ़ा; निफ्टी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। पिछले कारोबारी सत्र में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के बाद वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच बुधवार को भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला. निवेशक एक ओर घरेलू सकारात्मक संकेतों का आकलन कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर वैश्विक चुनौतियां अब भी छाी हुई हैं.

बीएसई सेंसेक्स 73,049.76 पर खुला, जबकि पिछले दिन यह 73,033.78 पर बंद हुआ था. वहीं, निफ्टी 50 22,715.75 पर खुला, जबकि पिछले दिन यह 22,721.95



की गई. निफ्टी मॉडिया और निफ्टी प्राइवेट बैंक भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे.

निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.67 प्रतिशत गिर गया. हेल्थकेयर

से जुड़े सूचकांकों पर भी दबाव बना रहा और इनमें 0.6 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई. इसके अलावा, निफ्टी पीएसयू बैंक भी दबाव में ट्रेड करता नजर आया. बाजार विशेषज्ञों

कहा कि इस तेजी की मुख्य वजह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की वह टिप्पणी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) पर हितधारकों की राय की सावधानीपूर्वक समीक्षा करेगी. इन टिप्पणियों से संभावित नीतिगत बदलावों की उम्मीद बढ़ी, जिससे निवेशकों की धारणा को बल मिला. विशेषकों ने यह भी कहा कि मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल में उठाए गए कदमों से रुपये की मजबूती मिली है. पिछले दो कारोबारी सत्रों में रुपया करीब 1.5 प्रतिशत मजबूत हुआ है. हालांकि, अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड लगभग 5.2 प्रतिशत पर बनी हुई है

अवरोध क्षेत्र के ऊपर निर्णायक बढ़त तेजी के रुख को और मजबूत कर सकती है. इस बीच, एशियाई बाजार लगातार दो सत्रों की गिरावट के बाद संभलते हुए दिखाई दिए. निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले वर्ष ब्याज दरों में बढ़ोतरी को लेकर कम आक्रामक रुख अपना सकता है. कारोबारों से इंसान समर्थित हूती समूह और यमन के अरब से जुड़े घटनाक्रमों से आपूर्ति पर पड़ने वाले संभावित असर का आकलन कर रहे हैं. साथ ही वैश्विक बाजारों में रूसी डीलल आपूर्ति बढ़ने की संभावना पर भी नजर बनी हुई है. निवेशक घरेलू बाजार के हटिकोण के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए भारत के आसपास के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे.

अब जासूसी करना नहीं होगा आसान

डीआरडीओ ने किया क्वांटम तकनीक का सफल परीक्षण, कैसे करेगी काम?

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन तकनीक का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। यह परीक्षण ओडिशा के चंद्रपुर स्थित प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टैब्लिशमेंट (पीएक्सई) के डायनेमिक टेस्ट रेंज के लाइव नेटवर्क पर किया गया। इस सफलता से भारत की सुरक्षित संचार तकनीक विकसित करने की क्षमता को मजबूती मिलेगी।

डीआरडीओ के मुताबिक, इस तकनीक का इस्तेमाल तोपों और बख्तरबंद हथियारों के परीक्षण के दौरान मिलने वाली अहम जानकारीयों को सुरक्षित रखने में किया जा सकेगा। इन परीक्षणों के समय मिलने वाले आंकड़ों और टेलीमेट्री से जुड़ी जानकारी को सुरक्षित रखना जरूरी होता है। क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी) तकनीक ऐसे आंकड़ों को सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा मजबूत हो सकेगी।

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन एक ऐसी तकनीक है,



जिसका इस्तेमाल सुरक्षित संचार के लिए डिजिटल कुंजियां बनाने और साझा करने में किया जाता है। यह क्वांटम भौतिकी के खास गुणों पर काम करती है। इसकी मदद से संचार के दौरान किसी बाहरी व्यक्ति की ओर से जानकारी हासिल करने या जासूसी करने की कोशिश का पता लगाया जा सकता है। डीआरडीओ के मुताबिक, यह तकनीक संचार को सुरक्षित बनाने के साथ किसी की दखलंदजी का पता लगाने में भी मदद करती है। क्वांटम क्रिप्टोग्राफी में भौतिकी के सिद्धांतों और खास तकनीक का इस्तेमाल करके एक लिंक के जरिए जानकारी भेजी जाती है। वैज्ञानिक सिद्धांतों

के मुताबिक, क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन तकनीक संचार के दौरान किसी बाहरी व्यक्ति की मौजूदगी का पता लगा सकती है। यह सुविधा सामान्य क्रिप्टोग्राफी में उपलब्ध नहीं होती। हालांकि, क्वांटम तकनीक के अलावा ऐसे एल्गोरिदम भी विकसित किए जा रहे हैं, जो भविष्य में आने वाले क्वांटम कंप्यूटरों के संभावित खतरे से डाटा की सुरक्षा कर सकें। ये एल्गोरिदम गणितीय जटिलता पर आधारित होते हैं और डेटा की गोपनीयता, उसमें बदलाव से सुरक्षा और संदेश भेजने वाले की पहचान सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

डीआरडीओ के माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, कंप्यूटरनल सिस्टम और साइबर सुरक्षा समूह के तहत क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन तकनीक को विकसित किया गया है। इसके उत्पादन में टैकबिट लेक्स साझेदार है। क्वांटम संचार का इस्तेमाल रक्षा क्षेत्र के अलावा वित्त और दूरसंचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जानकारीयों और संवेदनशील संचार को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

पीयूष गोयल: 'चीन से व्यापार निष्पक्षता और भू-राजनीतिक स्थिरता के साथ ही संभव', और क्या बोर्ले मंत्री ?



हैं। यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और जन-जन के संबंधों तक फैली है।

गोयल ने बताया कि देश अपनी प्रौद्योगिकी और उपकरण आपूर्ति शृंखला विकसित करना चाहते हैं। इससे विश्वसनीय भागीदारों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ अर्थव्यवस्थाओं में केद्रित क्षमताओं

क्या अमेरिका-भारत संबंध और मजबूत होंगे?

गोयल ने कहा कि अमेरिका और भारत के संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये संबंध आगे और बेहतर होंगे। आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधों अनिवार्यताएं इन संबंधों को सहारा देती हैं। दोनों देशों में राजनीतिक सोच बदलने पर भी ये संबंध मजबूत रहेंगे। यह साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है।

को दोहराना मुश्किल हो सकता है। इसके लिए देशों को मिलकर काम करना होगा। यह वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने में मदद करेगा।

आत्मनिर्भरता, वैश्विक सहयोग और नए व्यापारिक भागीदार कौन हैं ?

मंत्री ने कहा कि भारत अलगाव नहीं चाहता है। वह महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और दक्षता के बीच संतुलन बनाना चाहता है। यह विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से होगा। देशों को उन

क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए जहां बाहरी आपूर्तिकताओं पर निर्भरता उत्पादन को कमजोर बना सकती है। सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गण किम योग ने कहा कि सिंगापुर भारत के साथ सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत कर रहा है। कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनविंदर सिद्धू ने बताया कि कनाडा भारत के साथ एक व्यापार समझौता पर बातचीत कर रहा है। कनाडा के ऊर्जा संसाधन भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

सनातन हिंदू एकता यात्रा में दमोह में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिया जातिवाद छोड़ राष्ट्रवाद अपनाने का संदेश

दमोह। सामाजिक समरसता, एकता और राष्ट्रवाद का संदेश लेकर निकली बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं, जगह-जगह लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया जा रहा है।



सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने लोगों से आपसी भेदभाव भुलाकर एकजुट रहने और समाज को बांटने वाली प्रवृत्तियों के बजाय जोड़नेवाले विचारों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। बागेश्वर महाराज ने अपने संदेश में सामाजिक एकता और समरसता को विशेष महत्व दिया, उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती

आपसी सद्भाव, सहयोग और एकजुटता में है। जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी वर्गों के बीच समानता और भाईचारे की भावना विकसित करना आवश्यक है। राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई

दे रहा है, मार्ग में जगह-जगह लोगों की भीड़ जुट रही है। श्रद्धालु महाराज के दर्शन करने के साथ यात्रा में शामिल होकर सनातन हिंदू एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में सहभागिता कर रहे हैं। यात्रा में शामिल लोगों का कहना है कि समाज में शांति, सद्भाव और परस्पर सम्मान की भावना मजबूत होना जरूरी है।

जगह-जगह पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

सनातन हिंदू एकता यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्वागत की तैयारियां की गईं, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने पुष्पमालाओं एवं पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति से उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कुल मिलाकर बागेश्वर महाराज की यह यात्रा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव से मुक्ति, राष्ट्रवाद, आपसी भाईचारे और नशामुक्ति जैसे विषयों को लेकर चर्चा में है। यात्रा के माध्यम से समाज को एकजुट करने और लोगों को सकारात्मक सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है।

आपसी सहयोग और एकजुटता से ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। नशामुक्ति का संदेश भी दे रहे महाराज पं धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री यात्रा के दौरान सामाजिक बुराइयों के प्रति भी लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहने और अपने गांवों को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नशे की लत परिवारों को प्रभावित करती है और युवाओं के भविष्य के लिए भी नुकसानदायक है, इसलिए समाज



एसयूवी ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

इंदौर। संयोगितागंज थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर एसयूवी ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में 19 वर्षीय ऑटो मैकेनिक आदिल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो नाबालिग दोस्त अल्लू (16) और अल्फ्रेज उर्फ रब्बा (17) घायल हो गए। हादसा शिवाजी वाटिका के पास रात करीब 3 बजे हुआ। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग में जा घुसी। कार सवार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। उधर, पुलिस ने कार सवारों को हिरासत में लेने की बात कही है। संयोगितागंज पुलिस के अनुसार मथुरावाली गली निवासी आदिल (19) पिता जावेद शेख, अपने दो नाबालिग दोस्तों अल्लू और अल्फ्रेज के साथ सरवेट बस स्टैंड से चाय-नाश्ता करके बाइक से लौट रहा था। इसी दौरान शिवाजी वाटिका के पास तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर एसयूवी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार बहुत तेज थी। टक्कर लगने के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग में जा घुसी। हादसे में आदिल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अल्लू और अल्फ्रेज उछलकर दूर जा गिरे। घटना के बाद कार सवार लोग वाहन मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले।

हेड कांस्टेबल को अब तक की नौकरी में मिली 75 लाख रुपये सैलरी छापे में उसके पास मिली 6.26 करोड़ की संपत्ति

देवास। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय इंदौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक फिरोज खान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर लोकायुक्त उज्जैन और इंदौर की संयुक्त टीमों ने बुधवार सुबह देवास और इंदौर के 15 ठिकानों पर छापेमारी की।



प्रारंभिक जांच में करीब 6.26 करोड़ रुपये की अनुपातहीन संपत्ति सामने आई है। लोकायुक्त के अनुसार, फिरोज खान को वेतन से करीब 75 लाख रुपये की आय होना अनुमानित है। अन्य स्रोतों की आय जोड़कर उसकी कुल आय 1.93 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके मुकाबले मिली संपत्ति उसकी आय से करीब 223 प्रतिशत अधिक बताई गई है।

जांच में मकान, प्लॉट, प्लॉट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्तियों के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। मां और पत्नी के नाम पर संचालित साहिल ट्रेडिंग फर्म के खाते में करोड़ों रुपये के लेन-देन तथा रियल एस्टेट में निवेश की जानकारी भी सामने आई है। सांवेर तहसील के ग्राम गुरान में 21.75 बीघा कृषि भूमि के सौदे और परिचित रोशनी वर्मा की फर्म की भूमिका की भी जांच हो रही है। लोकायुक्त बैंक खातों, निवेश और संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

जैतपुरा, इटावा, विजयनगर में प्लॉट, मकान, दुकान और खेतों की जानकारी जुटाई जा रही है। लोकायुक्त की एक टीम पुलिस की बस के साथ ही चार पहिया वाहनों से देवास पहुंची। पेट्रोल निवास में करीब 18 से 20 लोगों की टीम ने कार्रवाई शुरू की। वहीं कुछ टीमों को बागली, जैतपुरा आदि क्षेत्रों में ग्रामीण अंचल में भेजा गया। इसके अलावा शहर में इटावा, विजयनगर आदि क्षेत्रों में भी टीम पहुंची। इंदौर जिले में भी कई स्थानों पर टीम जांच कर रही है।

नगर परिषद जेरोन खालसा के अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने मतदान 4 नवम्बर को

भोपाल। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि निवाड़ी जिले की नगर परिषद जेरोन खालसा के अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने के लिए मतदान 4 नवम्बर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना 6 नवम्बर को सुबह 9 बजे से होगी। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन 14 अक्टूबर को हो गया है। यह निर्वाचन 1 जनवरी 2026 की संदर्भ तारीख के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गयी मतदाता सूची के आधार पर कराये जायेंगे। नगर परिषद जेरोन खालसा में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशाली हो गयी है।

इंदौर के बाद अब उज्जैन भी बनाएगा कचरे को कंचन, नारियल के छिलके और पुराने जूते-चप्पल से बनेंगे उपयोगी उत्पाद

उज्जैन : शहर में नारियल के छिलके और पुराने जूते-चप्पल भी अब कचरा प्रबंधन की नई व्यवस्था का हिस्सा बने जा रहे हैं। नगर निगम इनकी रिसाइकिलिंग के लिए अलग-अलग प्लांट स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही घड़िया तहसील के ग्राम डबरी में जैविक कचरे से कंप्रेस्ड बायोगैस बनाने और रिसाइकिलिंग योग्य सामग्री अलग करने के लिए सीबीजी सह एमआरएफ प्लांट प्रस्तावित है। यानी कचरे को केवल उठाकर निपटाने के बजाय उससे उपयोगी संसाधन तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।



मंगलवार को महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में हुई मंथन इन काउंसिल (एमआईसी) की बैठक में तीनों परियोजनाओं के प्रस्तावों पर अनुशंसा की। नगर निगम की योजना नारियल के कचरे

चयन और परियोजना की शर्तें तय होने के बाद सामने आएगी।

तीसरी परियोजना डबरी गांव में सीबीजी सह मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) प्लांट की है। इसे स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर स्थापित करने की योजना है। सीबीजी प्लांट में उपयुक्त जैविक कचरे से कंप्रेस्ड बायोगैस तैयार की जा सकती है। वहीं, एमआरएफ केंद्र पर कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में छोटकर पुनर्वर्णन योग्य सामग्री निकाली जाती है। इस तरह की व्यवस्था में कचरे का पृथक्करण सबसे महत्वपूर्ण होगा। यदि गीला, सूखा और पुनर्वर्णन योग्य कचरा सही तरीके से अलग नहीं होता है, तो प्लांटों की उपयोगिता प्रभावित हो सकती है।

और फुटवियर वेस्ट के पुनर्वर्णन के लिए अलग-अलग प्लांट स्थापित करने की है। नारियल के छिलकों और रेशों को प्रसंस्कृत कर उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इसी तरह पुराने जूते-चप्पलों के विभिन्न हिस्सों को उनकी सामग्री के अनुसार अलग कर पुनर्वर्णन के लिए भेजा जा

सकता है। इन प्लांटों के लिए एजेंसी चयन की खातिर ई-निविदा आमंत्रित करने के प्रस्ताव पर अनुशंसा की गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों प्लांटों की क्षमता कितनी होगी, उनमें कितनी मात्रा में कचरे का प्रसंस्करण होगा और तैयार उत्पाद क्या होंगे। इनका विवरण एजेंसी

देवी पंडाल में गाने बजाने को लेकर विवाद, युवक पर तलवार से हमला कर हत्या

टीकमगढ़। शहर के भगतनगर इलाके में मंगलवार देर रात एक घटना सामने आई। देवी पंडाल में मोबाइल पर गाने बजाने को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें एक 22 वर्षीय युवक की धारदार हथियार तलवार से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित को रात में ही हिरासत में ले लिया है।

मुत्तक की पहचान 22 वर्षीय राजेंद्र वंशकार के रूप में हुई है, जिसके घर के पास ही आरोपी कैलाश अहिरवार का घर भी

है। दोनों पक्षों के बीच पहले से भी कुछ विवाद की बात सामने आई है। मंगलवार रात देवी पंडाल में कैलाश अपने मोबाइल पर गाने बजाने की जिद कर रहा था। इसी दौरान राजेंद्र द्वारा गाने बजाने पर कैलाश आगबबूला हो गया और गुस्से में अपने घर से तलवार निकालकर ले आया। उसने राजेंद्र पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में राजेंद्र के सिर, पीठ और हाथ पर गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसकी हालत गिगड़ गई। स्वजन आनन-फानन में उसे लेकर

जिला अस्पताल पहुंचे, जहां इयूटी पर मौजूद डॉ. अश्वनी बामोरिया ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी चंद्रजीत सिंह यादव ने बताया कि आरोपी कैलाश अहिरवार को रात में ही हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। बुधवार को पुलिस ने मुत्तक के शव का पोस्टमार्टम करारकर स्वजनों को सौंप दिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।



प्रार्थिकरण करेंगे। दो किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर को बनने में पौने तीन साल का समय लगेंगे। फ्लाईओवर का राहू जाने वाले हिस्से से वाहन निकल रहे थे। इस बीच दूसरी भुजा के बचे हुए

कायों को एनएचआई पूरा करने में लगा था। अब बुधवार से फ्लाईओवर की दूसरी भुजा पर यातायात शुरू होने से भारी वाहन चालकों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। बेस्ट प्राइस और एमआर-10 के

सामने का काम पूरा किया जाना है अब तक वाहनों को सर्विस रोड से होकर गुजरना पड़ रहा था, जिससे कई बार जाम की स्थित बनती थी। इसके बाद नीचे कुछ निर्माण कार्य बाकी रहेगा। बेस्ट प्राइस और

एमआर-10 के सामने का काम पूरा किया जाना है। इसके लिए करीब डेढ़ महीने का लक्ष्य रखा गया है। यह काम पूरा होने के बाद फ्लाईओवर के नीचे से भी दोनों दिशाओं में यातायात निकल सकेगा। प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव का कहना है कि फ्लाईओवर की दूसरी भुजा शुरू होने के बाद सर्विस रोड की मरम्मत की जाएगी। साथ ही श्री लेयर आठ लेन अंडरपास का काम भी तेज होगा, जिसमें एक हिस्से की खुदाई होना बाकी है। वि कहेते है कि विजय नगर, महालक्ष्मी नगर और तुलसी नगर में जल प्रदाय के लिए नई लाइन बिछाई है, जिसे जोड़ने का काम बचा हुआ है। अब नर्मदा विकास प्राधिकरण को लाइन जोड़ने का काम नवंबर से किया जाएगा।

किशोर कुमार, गायन और अभिनय से हमारी स्मृतियों में रहेंगे मौजूद : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खंडवा की माटी के सपूत बहुमुखी प्रतिभा के धनी गायक और अभिनेता श्री किशोर कुमार महान कलाकर थे। उन्हें संसार से विदा हुए 39 वर्ष हो गये, लेकिन वे अपने अभिनय और गीतों से प्रशंसकों के लिए अमर हैं और आगे भी स्मृतियों में बने रहेंगे। मध्यप्रदेश सरकार, हरफनमौला किशोर कुमार की स्मृति में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार किशोर कुमार अलंकरण प्रतिवर्ष प्रतिभा संपन्न कलाकार को प्रदान करती है। वर्ष 2026 के पुरस्कार के लिये अभिनेता श्री रघुवीर यादव का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री



डॉ. यादव ने अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि खंडवा के विकास के लिये सभी क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। खंडवा में शीघ्र ही एयरपोर्ट भी बनेगा और जिले के प्रसिद्ध धार्मिक महत्व के स्थल ओकरेश्वर तक श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस वर्ष राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान से अलंकृत किए गए अभिनेता श्री रघुवीर यादव को अलंकरण के लिये बधाई दी। समावंह में श्री रघुवीर यादव को 5 लाख रुपए की सम्मान निधि, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

जलसंकट की आहट ने बढ़ाई चिंता : बोरिंग देते हैं रोज 200 एमएलडी पानी, ये सूखे तो मचेगा हाहाकार

इंदौर : अल्पवर्षा ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रीष्मकाल अभी दूर है, लेकिन जलसंकट की आहट सुनाई देने लगी है। चिंता इस बात की है कि शहर के लगभग सभी तालाब सूखने की कगार पर हैं। जिनमें पानी है, वह ग्रीष्मकाल तक चलेगा इसकी उम्मीद कम ही है। यशवंत तालाब को छोड़कर शेष तालाब शहर की जल-वितरण व्यवस्था में भले ही कोई भूमिका नहीं निभाते हैं, लेकिन इनके वषाकाल में लालबाबू होने का फायदा पूरे साल आसपास की सैकड़ों कॉलोनियों को मिलता है। इन कॉलोनियों के हजारों बोरिंग पूरे साल इन तालाबों के पानी

की वजह से रिचाज रहते हैं, पूरे साल पानी की आवश्यकता को पूरा करते हैं, जिसके चलते जलसंकट टल जाता है। अतिरिक्त 200 एमएलडी पानी कहाँ से आएगा इस साल जब ये तालाब अक्टूबर में ही सूखने लगे हैं, आसपास की कॉलोनियों के हजारों बोरिंगों के दम तोड़ने की स्थिति बन गई है। सैकड़ों बोरिंग तो सूख भी चुके हैं। बोरिंगों की वजह से शहर को रोजाना करीब 200 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। चिंता की बात तो यह है कि जिस दिन ये बोरिंग पूरी तरह से सूख गए उस दिन क्या



होगा। अतिरिक्त 200 एमएलडी पानी कहाँ से आएगा। इंदौर में लगभग एक लाख 30

हजार बोरिंग हैं। शहर का 30 प्रतिशत हिस्सा आज भी ऐसा है जहां नर्मदा लाइन है ही नहीं। इस हिस्से की सैकड़ों कॉलोनियां पूरी तरह से बोरिंग के पानी पर आश्रित

ये व्यवस्था भी करेगा निगम

जलसंकट की आशंका के चलते नगर निगम चार नई टैंकियों का बचा हुआ काम तेजी से पूरा करेगा। ये टैंकियां गोंदवले धाम, आजाद नगर, सुनिवर्सिटी परिसर और नवलखा क्षेत्र में बन रही हैं। इन टैंकियों से चालू होने का लाभ यह मिलेगा कि वर्तमान में जिन क्षेत्रों में डायरेक्ट लाइन से सप्लाई हो रहा है वहां सप्लाई नियंत्रित की जा सकेगी। एक अनुमान के मुताबिक डायरेक्ट सप्लाई बंद होने से रोजाना जो पानी बचेगा वह करीब तीन लाख जनसंख्या की जलापूर्ति के लिए पर्याप्त होगा।

हैं। बोरिंगों के दम तोड़ते ही इन क्षेत्रों के रहवासियों की दिनचर्या पटरी से उतर जाती है। वर्तमान में शहर को नर्मदा से लगभग 430 एमएलडी पानी रोजाना सप्लाई होता है। इसके अलावा 30 एमएलडी पानी यशवंत

शुरू कर दी है। पिछली गर्मी में चले थे 700 टैंकर, इस बार 900 का अनुमान पिछले वर्ष घोषावकाश में नगर निगम को जल वितरण व्यवस्था बनाए रखने के लिए 700 से ज्यादा टैंकरो का सहारा लेना पड़ा था। अल्पवर्षा की स्थिति और गर्मी के तेवर देखते हुए इस बार अनुमान लगाया जा रहा है कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 900 से ज्यादा टैंकरो की आवश्यकता होगी। नगर निगम ने 100 नए टैंकर खरीदने की तैयारी कर भी ली है। 12 टैंकियों में जितना पानी

आता है, उतना हमेशा स्टोरेज में रहेगा जलसंकट को देखते हुए फलबाग में एक संपवेल भी तैयार हो रहा है। इसकी क्षमता लगभग 30 एमएलडी की होगी। इस संपवेल में जितना पानी स्टोरेज किया जा सकेगा उससे 12 बड़ी टैंकियां भरी जा सकती हैं। आगत परस्थिति में यह पानी शहर की जरूरतों के काम आएगा। इधर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के इंदौर प्रवास के दौरान उनसे मुलाकात कर शहर के लिए विशेष पैकेज की मांग की।